संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 125
पृष्ठ 8
बुधवार
22 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ब्यूटीफुल लुक पाने.....
विचार- एमएसपी और आठवां.....
खेल- मोहम्मद शमी की .....

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 14 नक्सली ढेर

● भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद भी बरामद किए

गरियाबंद, एजेंसी। छत्तीसगढ़–ओडिशा सीमा के पास गरियाबंद जिले में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में ओडिशा स्टेट कमेटी के प्रमुख चलपति समेत 14 नक्सली मारे गये हैं। ओडिशा पुलिस मुख्यालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद भी बरामद किए गए हैं। मौके पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। ओडिशा स्टेट कमेटी के प्रमुख चलपति के मारे जाने से नक्सली आंदोलन को बड़ा झटका लगा है। पुलिस ने कल जानकारी दी थी कि 20 जनवरी की सुबह सुरक्षा बलों ने कुल्हाड़ी घाट रिजर्व फॉरेस्ट में नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ा अभियान शुरू किया था। इस ऑपरेशन में ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस की 10 टीमें शामिल हैं। जिनमें विशेष अभियान समूह (एसओजी) की तीन, छत्तीसगढ़ पुलिस की दो और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की पांच टीमें शामिल थीं। अभियान की शुरुआत के कुछ ही समय बाद नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे सुरक्षा बलों ने इलाके में तेजी से घेराबंदी की। कुल्हाड़ी घाट स्थित भालू डिग्गी जंगल में 1000 जवानों ने 60 नक्सलियों को घेर रखा है। मामला मैनपुर थाना इलाके का है। जवानों ने जिन 14 नक्सलियों को ढेर कर दिया है, सभी का शव बरामद कर लिया गया है। इसमें कई हार्डकोर नक्सली शामिल है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की टीम को गरियाबंद के जंगलों में बड़े नक्सलियों की गतिविधि की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर करीब 700 जवानों की टीम को जंगल की ओर रवाना किया गया था। तलाश के दौरान जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हो गई। जवानों ने 14 नक्सलियों को घ्मार गिराया। कहा जा रहा है कि मारे गए नक्सलियों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

14 नक्सलियों की मौत, नक्सलवाद पर एक और करारा प्रहार है : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को ओडिशा–छत्तीसगढ़ सीमा पर संयुक्त अभियान में 14 नक्सलियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि यह " नक्सलवाद पर एक और करारा प्रहार है।" श्री शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, " नक्सलवाद पर एक और करारा प्रहार। हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। सीआरपीएफ, एसओजी ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस ने ओडिशा–छत्तीसगढ़ सीमा पर संयुक्त अभियान में 14 नक्सलियों को मार गिराया। नक्सल मुक्त भारत के हमारे संकल्प और हमारे सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से आज नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें ले रहा है।" उल्लेखनीय है कि ओडिशा के नुआपाड़ा जिले की सीमा से सिर्फ पांच किलोमीटर दूर स्थित छत्तीसगढ़ के कुलारीघाट रिजर्व फॉरेस्ट में ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस तथा सीआरपीएफ कर्मियों द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान में कम से कम 14 माओवादी मारे गए हैं।

योगी ने कड़ाके की ठंड में भी आयोजित किया जनता दर्शन, कहा-

जनता की समस्याओं पर तत्काल लें एक्शन

लखनऊ, संवाददाता। गोरखपुर में कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल एक्शन लें। इसमें हीलाहवाली अक्षम्य होगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 100 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने

के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रतिकूल मौसम को देखते हुए जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक फरियादी से मिले।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय के स्थापना दिवस पर दी बधाई

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को तीन पूर्वोत्तर राज्यों मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय के स्थापना दिवस पर इन राज्यों के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा ''त्रिपुरा के स्थापना दिवस की त्रिपुरा वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! लोक–संस्कृतियों से समृद्ध यह राज्य विकास पथ पर सतत गतिमान रहे, मां त्रिपुर सुंदरी से यही प्रार्थना है। अपने श्रृंखलाबद्ध पोस्ट में आदित्यनाथ ने कहा '' मणिपुर राज्य के स्थापना दिवस की मणिपुर वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

भाजपा ने जारी किया विकसित दिल्ली संकल्प पत्र -2, विद्यार्थियों और कामगारों के लिए बड़ी घोषणाएं

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र का दूसरा हिस्सा जारी किया। विकसित दिल्ली संकल्प पत्र –2 को पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जारी किया। इस मौके पर उन्होंने दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के घोटालों की जांच कराने की बात कहते हुए कहा, "हम जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। मोदी की गारंटी है कि दिल्ली में हर गारंटी पूरी होगी।" भाजपा ने अपने संकल्प पत्र–2 में विद्यार्थियों को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि दिल्ली में जरूरतमंदों के बच्चों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा देंगे। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15 हजार देंगे। । पार्टी ने दिल्ली में ऑटो–टैक्सी वेलफेयर बोर्ड बनाने तथा ऑटो–टैक्सी वालों को 10 लाख का जीवन बीमा और पांच लाख रुपए का दुर्घटना बीमा देने का वादा किया है। श्री ठाकुर ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने दलालों को खत्म कर दिया है और डीबीटी के माध्यम से जन–कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। भ्रष्टाचार के प्रति मोदी सरकार की नीति जीरो टॉलरेंस की है। हमारी सरकार बनने पर हम स्वास्थ्य, यातायात, बिजली, पानी और परिवहन आदि से जुड़ी समस्याओं का हल करेंगे। दिल्ली वालों को बेहतर आज और बेहतर कल देने का प्रयास करेंगे। भाजपा ने कामगारों के लिए डोमेस्टिक वेलफेयर बोर्ड बनाने की बात कही है। इसके 10 लाख रुपये का जीवन बीमा, 05 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, उनके बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और 06 महीने की पेड मैटरनिटी लीव देने का किया गया है।

आप को लगा तगड़ा झटका, दो पार्षद और पूर्व विधायक भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर राजधानी में सियासी हलचल जारी है। इन सबके बीत आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। आप के दो पार्षद, पूर्व विधायक बीजेपी में शामिल हो गए हैं। भजनपुरा से निगम पार्षद रेखा रानी और ख्याला से पार्षद शिल्पा कौर बीजेपी में शामिल हुईं। इसके साथ ही 2015–20 में घोंडा से विधायक रहे

श्रीदत्त शर्मा ने भी आप को अलविदा कह दिया। उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया है। वहीं, संजय सिंह के सांसद प्रतिनिधि चौधरी विजेंद्र भी बीजेपी में शामिल हो गए। ये नेता पार्टी में हर्ष मल्होत्रा, मनोज तिवारी और कमलजीत सहरावत की मौजूदगी में शामिल हुए। इससे पहले आम आदमी पार्टी (आप) के कई नेता और सदस्य प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। मॉडल टाउन विधानसभा के कमला नगर वार्ड से दो बार चुनाव लड़ चुके कपिल नागर बीजेपी में शामिल हो गए। उनके साथ आम आदमी पार्टी के 100 से ज्यादा कार्यकर्ता भी बीजेपी में शामिल हुए। इस बीच, कई आप कार्यकर्ता भाजपा के रमेश बिधूड़ी की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कालकाजी विधानसभा से भाजपा के उम्मीदवार हैं।

भाजपा वाले गरीब तबके को राक्षस की तरह निगल जाएंगे : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के रावण के सोने के हिरण बनने को लेकर बयानबाजी जारी है। भाजपा अरविंद केजरीवाल को बयान के लिए घेर रही है। दूसरी तरफ अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर प्रदर्शन भी किया गया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का कहना है कि ये लोग रावण की इतनी पैरवी क्यों कर रहे हैं। ये राक्षसी प्रवृत्ति के हैं और अगर दिल्ली की जनता ने इन्हें चुना, तो ये गरीब तबके के लोगों को राक्षस की तरह निगल जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने कल एक जनसभा में कहा था कि रावण सोने का हिरण बनकर आया था और सीता मैया उस सोने के हिरण पर मोहित हो गई। इस पर भाजपा वालों का कहना है कि रावण नहीं, मारीच राक्षस सोने का हिरण बनकर आया था। इसके लिए

मेरे घर के सामने पूरी भारतीय जनता पार्टी धरने पर बैठी है। भाजपा का कहना है कि मैंने रावण का अपमान क्यों किया। इनको रावण से इतना प्यार है, ये राक्षसी प्रवृत्ति के लोग हैं। केजरीवाल ने कहा कि मैं दिल्ली के झुग्गी वालों और गरीब तबके को खासकर बताना चाहता हूं कि अगर ये सत्ता में आ गए तो ये आप लोगों को राक्षसों की तरह निगल जाएंगे। गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल के बयान के बाद से भाजपा ने उनके खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई बयान जारी किए। वहीं, मंगलवार को अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर धरना प्रदर्शन भी हुआ है। भाजपा सांसद मनोज तिवारी समेत भाजपा के तमाम नेताओं ने अरविंद केजरीवाल को कटघरे में खड़ा करते हुए सवाल उठाए हैं कि उन्हें रामायण और सीता माता के बारे में कुछ पता ही नहीं है और उन्होंने सीता माता का अपमान किया है।

शामली में पुलिस मुठभेड़ में एक लाख के इनामी बदमाश समेत चार ढेर

शामली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में शामली जिले के झिंझाना क्षेत्र में 20–21 जनवरी की मध्य रात्रि में पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक सशस्त्र मुठभेड़ में कुख्यात मुस्तफा कग्गा गैंग का इनामी बदमाश अरशद समेत चार शातिर अपराधियों को मार गिराया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सहारनपुर में गंगोह क्षेत्रमें बड़ी माजरा निवासी अरशद पर डकैती, हत्या और लूट

समेत करीब 17 मामले दर्ज थे। वह सहारनपुर के बेहट थाने में दर्ज डकैती के एक मामले में वांछित था। मुठभेड़ में अरशद के साथ मंजीत, सतीश और एक अज्ञात बदमाश भी मार गिराये गये। एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि अरशद अपने साथियों के साथ झिंझाना थाना क्षेत्र से गुजरने वाला है। पुलिस ने घेराबंदी की और उन्हें रोकने की कोशिश की। अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। करीब आधे घंटे तक चली इस मुठभेड़ में अरशद और उसके तीन साथी घायल हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान एसटीएफ टीम का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर सुनील गोली लगने से घायल हो गए है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में जाने से बचें लोग, ममता बनर्जी बोलीं-

इसकी सुरक्षा बीएसएफ की जिम्मेदारी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करना बीएसएफ की जिम्मेदारी है और उन्होंने मालदा जिले के स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई समस्या हो तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों में जाने से बचें। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी 18 जनवरी को मालदा जिले में बीएसएफ चौकी के पास भारत–बांग्लादेश सीमा पर तनाव उत्पन्न होने के बाद आई है। दोनों देशों के किसानों के बीच तकरार थोड़ी देर के लिए झड़प में भी बदल गई। मालदा जिले में एक बैठक में बोलते हुए उन्होंने स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई समस्या हो तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों के पास न जाएं। इस जिले की सीमा बांग्लादेश से लगती है। उन्होंने कहा, ष्सीमा की रक्षा करना बीएसएफ का कर्तव्य है। मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि अगर उन्हें कोई समस्या दिखे तो वे सीमावर्ती इलाकों में न जाएं।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025(रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

इस उदासीन अखाड़े में पंचदेवों के बने सौ पंच पुत्र, दिगंबर वेश में खुले आकाश के नीचे बिताई रात

प्रयागराज। महाकुंभ में सोमवार को श्री पंचायती बड़ा अखाड़ा उदासीन की धर्म ध्वजा संन्यास की अर्वाचीन परंपरा की साक्षी बनी। पहली बार इस अखाड़े में भस्म शृंगार के बाद गाजा–बाजा और शंख ध्वनि के बीच सौ से अधिक युवाओं का पंच संस्कार किया गया। पंचदेवों की मौजूदगी में इन युवाओं को पंच पुत्र बनाया गया। अब यह युवा संन्यासी कठिन अनुशासन का पालन करते हुए देश भर में अलग–अलग मठों में कोतवाल, कोठारी, भंडारी, कारोबारी के अलावा महंत, मुखिया जैसे पदों को संभालेंगे। पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण की छावनी में ईष्टदेव भगवान चंद्रदेव की मौजूदगी में सुबह ही पंच पुत्र संस्कार आरंभ हो गया। पश्चिम पद्धति के बाड़े में युवा टोली के पटेल ज्ञान मुनि ने धूने पर सभी युवा संन्यासियों को भस्म शृंगार कराया। इसके बाद नरसिंहा वाद्ययंत्र के साथ शंख ध्वनि गूंजने लगी। आकाश मुनि, प्रद्वैतानंद मुनि मंत्रोच्चार करने लगे। इस रस्म में गुरुमाताएं भी शामिल हुईं। छत्तीसगढ़ से आईं गीता मुनि और डॉ. विभा मुनि ने भी पंचदेवों की उपासना प्रदान की और मंत्रोच्चार किया। पंचदेवों में विष्णु, शिव, माता भगवती, गणेश और सूर्य की उपासना की गई। अखाड़े के ईष्टदेव शिव स्वरूप श्रीचंद्र जी के भक्ति, ज्ञान, वैराग्य के सिद्धांत पर चलने का संकल्प दिलाया गया। इस कठिन साधना के लिए युवाओं के चयन की प्रक्रिया क्या होती है? इस सवाल पर मुखिया महंत दुर्गा दास कहते हैं कि गुरु जिसे स्वीकार कर ले, वही शिष्य बनता है। उदासीन संप्रदाय में तंगतोड़ के बाद पंच पुत्र बनाने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। दीक्षा लेने के बाद यह शिष्य अपने गुरु की सेवा में लग जाते हैं। पांच साल से लेकर 10 साल, 12 साल या 24 साल में जब भी गुरु को अपने शिष्य में जब संत बनने के संपूर्ण लक्षण दिखने लगते हैं, तब उन्हें दीक्षा देकर अपने साथ अखाड़े में जोड़ लिया जाता है। महाकुंभ में ही निर्वाण संत के रूप में पंच पुत्र बनाने की परंपरा है। इसमें 24 साल से कम उम्र के बाल और युवा शामिल होते हैं। महाकुंभ की छावनी में पंच परमेश्वर के द्वारा पंच पुत्रों को सनातन धर्म के प्रति निष्ठा और समर्पण की शपथ कराई गई। यह पंच पुत्र रात को संगम किनारे आकाश के नीचे निर्वस्त्र रहेंगे। महाकुंभ में अखंड भस्मी लगाकर तपस्या करेंगे। महाकुंभ के बाद भी वह तपस्या करते रहेंगे। –व्यास मुनि, सचिव, उदासीन बड़ा अखाड़ा। उधर, कांची के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती ने भक्तों से अपील की है कि वे महाकुंभ में अधिक से अधिक संख्या में आकर आयोजन का हिस्सा बनें और मां गंगा के पवित्र जल में डुबकी लगाएं। लेकिन, उसकी पवित्रता और शुद्धता से समझौता न करें। उन्होंने हर 12 साल में आयोजित होने वाले इस आध्यात्मिक आयोजन पर त्रिवेणी संगम पर बड़ी संख्या में लोगों के आने पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गंगा का महत्व वेदों, पुराणों और हजारों वर्षों की सनातन परंपरा में गहराई से निहित है। ऋषि–मुनियों और साधुओं के साथ–साथ भगवान आदि शंकराचार्य ने भी गंगा में स्नान किया और इसके किनारे ध्यान लगाया। शंकराचार्य ने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं है, बल्कि भारत की पवित्र भूमि पर एक तीर्थ स्थल है। आध्यात्मिक दृष्टि से, त्रिवेणी संगम पर स्नान करना पुण्य अर्जित करने और ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त करने का साधन माना जाता है। उन्होंने 36 साल पहले की घटना का जिक्र किया जब वृद्ध शंकराचार्य स्वामी चंद्रशेखरेंद्र सरस्वती उम्र के कारण महाकुंभ में शामिल नहीं हो सके थे। उस समय त्रिवेणी से गंगा जल को एक विशेष विमान से कांची लाया गया था ताकि वे प्रतीकात्मक रूप से स्नान कर सकें। उन्होंने कहा कि गंगा और महाकुंभ के प्रति यह अटूट आस्था हमारी आध्यात्मिक दृष्टि का प्रतीक है, जिसे पीढ़ियों से भक्तों ने संजोया है।

नगर आयुक्त ने किया जयसिंहपुरा में निरीक्षण, लोगों से की बात –सड़क किनारे मिला डलबा घर, हटाने के दिये निर्देश

मथुरा। नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने वार्ड 36 जयसिंह पुरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड के क्षेत्रीय पार्षद राजेश भाटिया एवं सभी सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। वार्ड में निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षदगण एवं स्थानीय

जनता द्वारा बतायी गयी समस्याओं को नगर आयुक्त को अवगत कराया गया। नगर आयुक्त द्वारा वार्ड में साफ सफाई, सड़क मार्ग, जल निकासी, पेयजलापूर्ति, प्रकाश व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया गया। वार्ड में नाला निर्माण की आवश्यकता देखी गई। जिसके संबंध में मुख्य अभियंता सिविल को नाला निर्माण के लिए आंगणन तैयार करते हुए कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान वार्ड में एक स्थान पर डलाव घर सड़क किनारे पाया गया। समस्त डलाव घरों को व्यवस्थित किये जाने के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया। साथ ही डलाव घरों को टीन से कवर्ड कराए जाने के लिए भी निर्देश दिए गए। वार्ड में समुचित सफाई व्यवस्था रखे जाने एवं निर्मित नालियों की सफाई कराने हेतु सफाई निरीक्षक को निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त परिक्रमा मार्ग में विशेष सफाई व्यवस्था कराने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान राकेश कुमार त्यागी सहायक नगर आयुक्त, अमरेन्द्र गौतम प्रभारी मुख्य अभियंता, डा. गोपाल बाबू गर्ग नगर स्वास्थ्य अधिकारी, मौ. अनवर ख्वाजा महाप्रबंधक जल प्रभारी प्रकाश, शैलेश कुमार अवर अभियन्ता (वि. यां.), राकेश कुमार राजपूत सफाई निरीक्षक उपस्थित थे।

संगम पर अदाणी ने की पूजा-अर्चना, इस्कॉन के साथ मिलकर बनाया प्रसादम, 50 लाख श्रद्धालुओं में बांटा

प्रयागराज। अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने महाकुंभ मेले में भक्तों को भोजन परोसने के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) से हाथ मिलाया है। यह सहयोग महाप्रसाद सेवा पहल का हिस्सा है, जो 26 फरवरी तक पूरे मेले में चलेगा। गौतम अदाणी मंगलवार को महाकुंभ में पहुंचे। उन्होंने कहा, श्मैं महाकुंभ के लिए बहुत उत्साहित हूं।श गौतम अदाणी ने इस्कॉन मंदिर में आरती की। इसके बाद परिवार के साथ रसोई में गए, जहां पर प्रसादम बनाया। यह प्रसादम भक्तों में बांटा गया। नौ जनवरी को, अदाणी समूह और इस्कॉन ने महाकुंभ मेले में आने वाले बड़ी संख्या में भक्तों को मुफ्त भोजन प्रदान करने के लिए अपनी साझेदारी की घोषणा की थी। मेले के दौरान महाप्रसाद सेवा से 50 लाख श्रद्धालुओं को भोजन मिला। भोजन मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर स्थित दो रसोई घरों में तैयार किया गया और पूरे मेले में 40 अलग–अलग स्थानों पर वितरित किया गया। बुजुर्गों, दिव्यांगों और बच्चों वाली माताओं की सहायता के लिए गोल्फ कार्ट सहित विशेष व्यवस्था की गई। अदाणी ने सेवा के प्रति इस्कॉन के समर्पण की सराहना करते हुए कहा था, श्सही मायने में सेवा देशभक्ति का सर्वोच्च रूप है। सेवा ध्यान है, सेवा प्रार्थना है और सेवा भगवान है।श साझेदारी पर विचार करते हुए उन्होंने समझाया, श्इस्कॉन के साथ हमारा अद्भुत अनुभव और लगाव है। कुंभ मेले में प्रसादम के बारे में सोचा तो तुरंच पहला विचार इस्कॉन का आया। यह संस्था इसे सबसे अच्छे तरीके से कर सकती है। मानवता की सेवा के प्रति समर्पण के लिए जाने जाने वाले गुरु प्रसाद स्वामीजी ने अदाणी की विनम्रता और निस्वार्थ योगदान की प्रशंसा की। स्वामीजी ने कहा, श्अदाणी समूह हमेशा कॉर्पोरेट जिम्मेदारी और सामाजिक सेवा का एक शानदार उदाहरण रहा है, जो चीज गौतम अदाणी को उत्कृष्ट बनाती है, वह उनकी विनम्रता है। वह कभी बुलाए जाने का इंतजार नहीं करते, बल्कि निस्वार्थ भाव से सेवा करने के लिए आगे बढ़ते हैं। हम उनके योगदान के लिए बेहद आभारी हैं। महाप्रसाद सेवा के अलावा, यह पहल भक्तों को गीता सार की पांच लाख प्रतियां भी वितरित करेगी, जिससे उपस्थित लोगों के आध्यात्मिक अनुभव में और वृद्धि होगी। 2500 स्वयंसेवकों की एक समर्पित टीम के साथ यह परियोजना दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समारोहों में से एक में मानवता की सेवा के लिए कॉर्पोरेट जगत और आध्यात्मिक संस्थानों के बीच सहयोग के प्रतीक के रूप में खड़ी है।

'अन्न, जल, पूजन सामग्री, मंत्र और अनुष्ठान सब प्रदूषित', शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने बताई वजह

प्रयागराज। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि सतर्कता में शिथिलता धर्म–कर्म को प्रदूषित कर देती है। आज हमारा खानपान ही नहीं, अन्न, जल तक प्रदूषित हो गया है। पूजा की सामग्री प्रदूषित है। मंत्र, अनुष्ठान प्रदूषित हैं। भाषा–भाव और भंगिमा भी प्रदूषित हो रहे हैं। नए–नए देवता बनते जा रहे हैं। धर्म–अधर्म से मिश्रित हो रहा है। यदि अधर्म अपने स्पष्ट रूप में हमारे सामने आए तो काफी हद तक संभव है कि हम उससे बच सकें पर जब वह धर्म के रूप में हमारे सामने आता है तो उससे बचना कठिन हो जाता है। अविमुक्तेश्वरानंद सोमवार को सेक्टर–19 के शंकराचार्य शिविर में आयोजित परमधर्मसंसद में धार्मिक प्रदूषण पहचान एवं निवारण विषय पर बोल रहे थे। शंकराचार्य ने कहा कि भागवत में व्यास जी ने अधर्म की पांच शाखाओं का वर्णन किया है। उसमें विधर्म, परधर्म, आभास, उपमा और छल शामिल हैं। यही धार्मिक प्रदूषण है जो अधर्म को धर्म के रूप में प्रस्तुत कर हमें गर्त में ले जा रहा है। विधर्म माने धर्म समझकर करने पर भी जिससे धर्मकार्य में बाधा पड़ती हो जैसे यहूदी, पारसी, ईसाई, इस्लाम आदि। परधर्म माने अन्य के द्वारा अन्य के लिए उपदिष्ट धर्म जैसे ब्रह्मचारी का गृहस्थ को, गृहस्थ का संन्यासी को। आभास स्वेच्छाचार जो धर्म सा लगता है जैसे अनधिकारी का संन्यास। उपमा माने पाखंड तथा छल माने शास्त्र वचनों की अपने मन से की गई व्याख्या या उनमें अपने आप से मनमाना बदलाव कर देना। समस्त सनातनधर्मियों को सतर्क रहकर धर्म के सच्चे स्वरूप को समझते हुए धार्मिक प्रदूषणों से बचकर रहने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोष गिरी महाराज ने कहा कि देश में गो हत्या पूर्णतः प्रतिबंधित हो और गो माता को राष्ट्रमाता का दर्जा मिले इसके लिए हम सबको एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए।

मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी पर प्रयागराज आने वाले यात्रियों की राह मुश्किल,29 ट्रेनें हुई रद्द

प्रयागराज। महाकुंभ मेले के दो बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या और बसंत पंचमी के मौके पर रेलवे ने प्रयागराज आने वाले यात्रियों की राह मुश्किल कर दी है। जिन लोगों ने महाकुंभ के अमृत स्नान के लिए ट्रेनों में अपने रिजर्वेशन करवा रखे थे, उन्हें रेलवे प्रशासन ने बड़ा झटका दिया। रेलवे द्वारा इन दोनों ही महत्वपूर्ण स्नान पर्व पर अचानक लंबी दूरी की 29 ट्रेनें निरस्त कर दी हैं। खास बात यह है कि रेलवे प्रशासन द्वारा लंबी दूरी की ट्रेनें निरस्त किए जाने की कोई स्पष्ट वजह नहीं बताई गई है। दूसरी ओर चर्चा इस बात की है कि मकर संक्राति पर ज्यादा भीड़ हो जाने की वजह से सैकड़ों की संख्या में ऐसे यात्री जिनका तमाम ट्रेनों में आरक्षण था, वह शहर के तमाम स्थानों पर नो इंट्री की वजह से प्रयागराज जंक्शन नहीं पहुंच सके। अब मौनी अमावस्या पर मकर संक्रांति के मुकाबले दो गुनी भीड़ आने का अनुमान है। ऐसे में रेलवे का रूटीन की जगह ज्यादा से ज्यादा स्पेशल ट्रेन चलाए जाने पर जोर है। यह तभी संभव होगा जब सीमित संख्या में नियमित ट्रेनों का संचालन हो। फिलहाल मौनी अमावस्या पर लंबी दूरी की 18 एवं बसंत पंचमी पर 11 नियमित ट्रेनें निरस्त कर दी गईं हैं।

इसके अलावा 28 ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन की जगह प्रयागराज छिवकी होकर चलाई जाएंगी। इन सभी का शेड्यूल उत्तर मध्य रेलवे प्रशासन ने जारी कर दिया है। एनसीआर के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने कहा कि परिचालनिक कारणों से इन ट्रेनों को निरस्त किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए ज्यादा से ज्यादा स्पेशल ट्रेन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

वर्ष गांठः शोभायात्रा में शामिल होंगी दर्जनों झांकियां, बैंड बाजे करेंगे अगुवाई

–प्रथम वर्षगांठ पर शहर में निकाली जाएगी भव्य श्री राम जी शोभायात्रा

मथुरा। अयोध्या में श्री रामललाल के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ

मनाने के लिए शहर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमडेगा। भव्य शोभायात्रा के साथ विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। भव्य झांकियों के साथ विविध कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 22 जनवरी को आयोजित होने वाले इस पूरे कार्यक्रम शहर में तैयारियां जोर शोर से चल रही है। कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने कार्यक्रम को भव्य एवं दिव्य बनाए जाने के लिए तैयारियों का खाका खींचा और जानकारी दी। पुराना जीटी रोड स्थित गोयंका फर्नीचर हाउस पर आयोजित प्रेसवार्ता में कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मीनारायण ने अयोध्या में श्री रामजी के भव्य मंदिर के निर्माण एवं प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में सभी के प्रयासों को सराहा। कहा कि पूरा क्षेत्र एवं जन जन एक बार फिर से पाण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर हर्षित है। अभी से उनका उल्लास 22 जनवरी को शहर में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों के रूप में देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी की प्रातः भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। महोत्सव में करीब एक दर्जन से अधिक झांकियां, बैंडबाजे, डीजे, डोल नगाड़े, कीर्तन मंडलियां के साथ कार्यक्रम की शोभा बढाएंगे। भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें 1100 महिलाऐं शामिल होंगी। प्रातः 10 बजे शोभायात्रा तोताराम मंदिर, बल्देवगंज से निकाली जाएगी। जो शहर के प्रमुख मार्गो से भ्रमण करती हुई भरत मिलाप चौक पर संपन्न होगी, जहां शाम को बडी एलईडी पर भजन संध्या का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि छाता विधानसभा क्षेत्र से करीब 101 बसें, महाकुंभ में जाऐंगी। इस मौके पर उनके साथ मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी, पालिकाध्यक्ष धर्मवीर अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय गोयंका, हरेंन्द्र सिंह, होती चौधरी, श्यामू अगरारिया, गोपाल शर्मा, भगवत मुनीम सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

50 से अधिक ओवरलोडिंग वाहन डंपर ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त किए गए

मथुरा। मांट तहसील में बीते एक पखवाड़ा में 50 से अधिक ओवरलोडिंग वाहन डंपर ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त किए गए हैं। इनसे भारी मात्रा में राजस्व की वसूली भी हुई है। जॉइन्ट मजिस्ट्रेटध उप जिलाधिकारी मांट आईएएस अभिनव जे जैन निरंतर ओवरलोडिंग और खनन करने वाले वाहनों के खिलाफ अभियान चलाए हुए हैं।

उन्होंने बीते 15 दिन में 50 से अधिक वाहन अलग–अलग क्षेत्र से स्थानीय पुलिस के सहयोग से पकड़े हैं। मंगलवार को 9 डम्फर ओवरलोडिंग बंद किए गए जिनमें 8 डम्फर बाजना क्षेत्र की कोलाहर पुलिस चौकी पर खड़े कराए गए हैं। इस दौरान एक डंपर ड्राइवर ने भागने का प्रयास किया जिसे शेरगढ़ थाना पुलिस को सुपुर्द किया गया है।

अभियान के संबंध में जॉइन्ट मजिस्ट्रेट श्री जैन ने बताया कि ओवरलोडिंग वाहनों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत ईटों से भरे 15 ट्रैक्टर ट्रालियां को भी कस्बा मांट में पकड़कर कर खड़ा कराया गया है। अभियान में खनन इंस्पेक्टर अक्षय कुमार आरटीओ मनोज वर्मा नायब तहसीलदार पंकज यादव भी मौजूद रहे।

अंग्रेजों ने 1942 के कुंभ में रेल और बस टिकट की बिक्री पर लगाया था प्रतिबंध, उन्हें था इस बात का डर

प्रयागराज। कुंभ केवल आध्यात्मिक व सांस्कृतिक पर्व ही नहीं, बल्कि भारत की आजादी में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भाषाविज्ञानी पृथ्वीनाथ पांडेय बताते हैं कि वर्ष 1857 में मुक्ति–मार्ग दिखाने वाले तीर्थपुरोहित 'प्रयागवाल' ने क्रांतिकारियों का साथ दिया था। हालांकि, वे सीधे तौर पर युद्ध में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन, महारानी लक्ष्मीबाई जब प्रयागराज पहुंचीं थीं, तब एक प्रयागवाल (राजपुरोहित) के घर में उन्होंने शरण ली थी। इसके कारण कुंभ पर्व का भी आजादी की लड़ाई के साथ जुड़ाव हो गया। उन दिनों देश में स्वतंत्रता आंदोलन तेजी में था। वर्ष 1918 में जब महात्मा गांधी कुंभ के अवसर पर प्रयागराज पहुंचे थे, तब उन्होंने संगम में स्नान तो किया ही था, संत–समुदाय संग समागम और तीर्थ यात्रियों के साथ संवाद भी किया था। इससे अंग्रेज सरकार की चिंता बढ़ गई थी। इसके बाद गांधी के 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' अभियान की सुगबुगाहट हो चुकी थी। अंग्रेजों ने वर्ष 1942 के कुंभ में प्रयागराज आने वाले यात्रियों के रेल व बस टिकट विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया था। क्योंकि, उन्हें आशंका थी कि कहीं कुंभ क्षेत्र क्रांति स्थल न बन जाए। फिर भी बड़ी संख्या में तीर्थयात्री यहां पहुंचे थे। हालांकि, अंग्रेजों की ओर से कहा गया था कि द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण जापान वहां बमबारी कर सकता है, सो तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए ऐसा किया गया।

महाकुंभ के दौरान शादियों में शहनाई बजने पर भी 'ग्रहण', जानें कब-कब हैं शुभ मुहूर्त

प्रयागराज। धूमनगंज के रहने वाले रजनीश दुबे के घर 13 फरवरी को अमेठी से बरात आएगी। लेकिन, परिवार को चिंता है कि महाकुंभ मेले के दौरान कहीं उनके घर में शहनाई बजने पर 'ग्रहण' न लग जाए। क्योंकि, यातायात पुलिस ने जगह–जगह डायवर्जन और बाहरी गाड़ियों के शहर में इंट्री पर रोक लगा रखी है। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ मेला है। इसमें 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। आए दिन शहर में जाम से लोगों को घंटों जूझना पड़ रहा है। इस कारण यातायात पुलिस जगह–जगह डायवर्जन कर रखा है। साथ ही भीड़ बढ़ने की दशा में दूसरे जिलों से आने वाली गाड़ियों को रोक दे रहा है। यहां से श्रद्धालु पैदल या फिर ई–रिक्शा के माध्यम से महाकुंभ मेला क्षेत्र पहुंच रहे हैं। 16 जनवरी से सहालग शुरू हो गया है। शुभ मुहूर्त पर लोगों के घर शहनाई बजनी शुरू हो गई है। आचार्य अमिताभ गौड़ ने बताया कि इस साल शादी विवाह के लिए 67 शुभ मुहूर्त हैं। वहीं, महाकुंभ मेले के दौरान 21 जनवरी से कुल 19 तारीखों में शुभ मुहूर्त का योग बन रहा है। आचार्य अमिताभ गौड़ ने बताया कि जनवरी में 21 23, 24, 26 और 27 तारीख को शुभ मुहूर्त है। जबकि फरवरी माह में 2, 3, 6, 7, 12, 13, 14, 15, 16, 18, 19, 21, 23 और 25 तारीख को शुभ मुहूर्त है। वहीं, मार्च माह में 1,2, 6, 7 और 12 तारीख को लोगों के घर में खूब शहनाई बजेंगी। उन्होंने बताया कि पूरे साल में 67 शुभ मुहूर्त का योग बन रहा है। अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह ने बताया कि महाकुंभ मेले में रोजाना लाखों की भीड़ आ रही है। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए शहर में बाहरी गाड़ियों की इंट्री पर रोक लगाई गई है। ऐसे में बरातियों को इस भीड़ के बीच पहचानना मुश्किल है। जिस तरह से व्यवस्था बनी हुई है वैसे ही जारी रहेगी। अपर पुलिस उपायुक्त कुलदीप सिंह ने कहा कि अगर संभव हो सके तो महाकुंभ के दौरान शादियों को टालकर तारीख आगे कर लें। जिससे किसी को दिक्कत न हो।

एटीएस ने कुंभ मेले में जल का किया परीक्षण, एडीजी नीलाब्जा चौधरी के निर्देशन में की गई कार्रवाई

प्रयागराज। महाकुंभ नगर क्षेत्र में विशेष सतर्कता के तहत अपर पुलिस महानिदेशक एटीएस नीलाब्जा चौधरी के निर्देशन में

जल का परीक्षण किया गया। इस दौरान संगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से गंगा और यमुना के जल की स्थिति आंकी गई। एटीएस के अधिकारी डॉ. भीम कुमार गौतम ने बताया कि समय–समय पर संगम क्षेत्र से जल लेकर टीम परीक्षण कर रही है। पूरे मेला क्षेत्र में स्पॉट की तीन टीमें, 10 लोगों की टीम ड्रोन और स्काई लाइट आदि से निगरानी कर रही है। मेला क्षेत्र में चार रॉकेट बोट, दो जेटी और पांच बोट ड्राइवर नियुक्त किए गए हैं। साथ ही एटीएस अपनी सहयोगी एजेंसियों के साथ निरंतर समन्वय बनाए हुए है। जिससे किसी भी आपात स्थिति में उसका मुकाबला किया जा सके एटीएस का पूरा नाम आतंकवाद निरोधक दस्ता है। यह पुलिस बल की एक विशेष शाखा है जो देश में आतंकवादी गतिविधियों को रोकती है। एटीएस के अधिकारी हर परिस्थिति में आतंकवादी हमलों का मुकाबला करने में माहिर होते हैं। यह विशेष टीम भारत सरकार की खुफिया एजेंसियों रॉ और आईबी के साथ समन्वय में काम करती है।

छात्र को पीटने की आरोपी शिक्षिका के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने छात्र को पीटने की आरोपी शिक्षिका के खिलाफ शुरू हुई आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। साथ ही नोटिस जारी कर शिकायतकर्ता और राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की अदालत ने अदा परवीन की याचिका पर दिया है। मामला हमीरपुर जिले का है। दरअसल, शिक्षिका पर छह वर्षीय छात्र को पीटने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित छात्र के परिजनों ने शिक्षिका के खिलाफ एससीध्एसटी एक्ट और मारपीट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। कहा था कि जातीय घृणा के चलते की गई पिटाई से छात्र की तबीयत खराब हो गई। मामले में पुलिस की ओर से ट्रायल कोर्ट में दाखिल आरोप पत्र को चुनौती देते हुए याची ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दलील दी कि जातीय घृणा में पिटाई का आरोप गलत है। होमवर्क पूरा न करने पर डांट लगाई गई थी। एफआईआर की कहानी का कोई स्वतंत्र गवाह नहीं है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी।

विपरीत परिस्थितियों में जीवन जीने की कला सिखाता है स्काउट एंड गाइड -डॉ अखिलेश यादव जिला कमिश्नर एडल्ट रिसोर्स

मथुरा।भारत स्काउट एवं गाइड प्रतीक विद्यालय में अनिवार्य विषय के रूप में उपलब्ध है तथा समस्त राजकीय एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय में प्रत्येक विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अनिवार्य रूप से संचालित है। विद्यार्थियों को प्रथम सोपान द्वितीय सोपान तृतीय सोपान से गुजरते हुए राज्यपाल एवं राष्ट्रपति पुरस्कार तक पहुंचने का रास्ता विद्यालय में उपलब्ध है। विद्यार्थियों में कौशल विकास के साथ–साथ विभिन्न विधाओं तथा कौशलों में निपुण बनाने के लिए प्रशिक्षित स्काउट गाइड मास्टर होना अनिवार्य शर्त है। डॉ अखिलेश यादव ने बताया कि शिक्षक शिक्षकाओं को प्रशिक्षित करने के लिए प्रदेशीय कमिश्नर के द्वारा के गर्ल्स इंटर कॉलेज मथुरा में 3 फरवरी से सात दिवसीय आवासीय बेसिक एवं एडवांस कोर्स प्रशिक्षण के लिए अनुमति देकर प्रशिक्षक नियुक्त किए गए हैं तथा जिला विद्यालय निरीक्षक मथुरा द्वारा समस्त प्रधानाचार्य को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक विद्यालय से अनिवार्य रूप से स्काउट एवं गाइड मास्टर को प्रशिक्षित कराया जाए तथा प्रत्येक विद्यालय में यूनिट का रजिस्ट्रेशन हो। डॉ यादव ने आगे बताया कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए तो मैं स्काउटिंग अति आवश्यक है स्ववित्त पोषित एवं सीबीएसई विद्यालय भी अपने शिक्षकों को प्रशिक्षण करते हुए यूनिट का संचालन कर सकते हैं। के गर्ल्स इंटर कॉलेज में आयोजित बैठक में मुख्य जिला स्काउट कमिश्नर डॉक्टर कमल कौशिक की अध्यक्षता में जिला कमिश्नर निखिल अग्रवाल तथा गाइड कमिश्नर डॉ शालिनी अग्रवाल, सचिव जोगेंद्र सिंह, गुरु प्यारी सत्संगी अंजना शर्मा गोवर्धन दास गुप्ता मीडिया प्रभारी, मनोज शर्मा ,कन्हैया कुमार, वीरेंद्र उपाध्याय, हरिओम गुप्ता, डॉ कमल गौड सहित समस्त आवासीय प्रशिक्षण के दौरान कार्य विभाजित कर दायित्व का निर्धारण किया गया।

'शहर समता विचार मंच (महिला) कानपुर इकाई की जनवरी माह की काव्यगोष्ठी सम्पन्न'

कानपुर। शहर समता विचार मंच महिला गोष्ठी कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन में तथा सीमा वर्णिका की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।

इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि पूनम पांडे तथा विशिष्ट अतिथि सुषमा सिंह श्उर्मिश रहीं। यह काव्य गोष्ठी दोपहर 1:00 बजे से 2:00 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही सीमा द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुषमा सिंह श्उर्मिश द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में पूनम पांडे, पुष्पा सिंह, शिप्रा सिंह, सुषमा सिंह श्उर्मिश, योगिता सिंह श्हंसाश, श्रद्धा श्रीवास्तव तथा सीमा वर्णिका ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चाँद लगा दियें । अध्यक्षीय सम्बोधन के बाद धन्यवाद ज्ञापन कानपुर इकाई की जिलाध्यक्ष सीमा वर्णिका ने किया ।

नगर निगम बोर्ड बैठक पर बोले महापौर, फैलाया जा रहा है भ्रम

-प्रक्रिया को बताया बोर्ड बैठक में अडचन, गिनाई वजह

मथुरा। नगर निगम के पार्षदों ने नगर निगम की बोर्ड बैठक नहीं बुलाए जाने का आरोप लगाया है। इस पर नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल ने अपना पक्ष रखा है। महापौर का कहना है कि नगर निगम की बोर्ड बैठक को लेकर भ्रम पैदा किया जा रहा है। नगर निगम की बोर्ड बैठक से पहले कुछ प्रक्रिया पूरी होनी है, इस प्रक्रिया को पूरा होने के बाद बोर्ड बैठक बुलाई जा सकती है। बोर्ड बैठक को लेकर महापौर ने एक प्रेस नोट जारी कर मीडिया में अपना पक्ष रखा है। पार्षदों द्वारा बोर्ड बैठक की मांग की गई है। महापौर ने कहा है कि नगर निगम मथुरा वृंदावन की जनता को यह बताना चाहता हूं कि 13 सितम्बर 2024 को बोर्ड की पिछली बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें तीन प्रकार से एजेंडा प्रस्ताव, अनुपूरक प्रस्ताव, महापौर की विशेष अनुमति से कुल 29 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किये गये थे। इस बोर्ड बैठक के बाद बैठक में घोषित की गई कार्यकारिणी की बैठक एक अक्टूबर 2024 को हुई। जिसमें पांच प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किये गये। इन बैठकों के बाद नगर आयुक्त द्वारा इन बैठकों में पास किये गये कुछ प्रस्तावों पर एवं घोषित की गई कार्यकारिणी पर नगर निगम अधिनियम का हवाला देते हुए आपत्ति की गई। अगली बोर्ड बैठक का ऐजेंडा तैयार करने के लिए यह आवश्यक है कि इन बैठकों में पास किये गये प्रस्तावों की स्थिति स्पष्ट की जाए कि किन प्रस्तावों को नगर आयुक्त ने मान्य किया है और किन प्रस्तावों को अमान्य किया है। जिससे अगली बोर्ड बैठक में मान्य प्रस्तावों पर की गई कार्यवाही से निगम को अवगत कराया जा सके और अमान्य प्रस्तावों को पुनः एजेण्डा में सम्मिलित किया जा सके। इस सूचना को उपलब्ध कराये जाने के लिए मेरे द्वारा नगर आयुक्त को दिसम्बर में दो पत्र भेजे गये, किन्तु अभी तक नगर आयुक्त द्वारा कोई समुचित जवाब नहीं दिया गया है। नगर आयुक्त द्वारा सिलसिले बार क्रमांक सहित मान्य किये गये प्रस्तावों की सूची अमान्य किये गये प्रस्तावों की सूची, मान्य किये गये प्रस्तावों पर की गई कार्यवाही का पूर्ण विवरण एवं यदि कार्यवाही नहीं की गई है तो उसका कारण उपलब्ध कराया जाए। यह सूचना प्राप्त होते ही बोर्ड बैठक बुलाया जाना संभव होगा। मेरी ओर से बोर्ड बैठक कराये जाने में कोई देरी नहीं है। इसके अतिरिक्त नगर आयुक्त द्वारा षड्यंत्र के तहत प्रायोजित तरीके से पार्षदों में यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि 15 वें वित्त की बैठक महापौर द्वारा नहीं की जा रही है। जबकि सत्य यह है कि 15 वें वित्त की टाइड ग्रांट की बैठक हो चुकी है और अनटाइड ग्रांट के आवंटन के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये जा चुके हैं। जिसमें 20 करोड रूपये से प्रत्येक वार्ड में लगभग 30–30 लाख के निर्माण कार्य, 10 करोड़ से प्रकाश संबंधी कार्य एवं 15 करोड़ से महापौर कार्यालय में प्राप्त होने वाली जनसमस्याओं के निस्तारण के लिए आरक्षित किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। नगर आयुक्त द्वार इस फॉर्मेट में अनटाइड ग्रांट के प्रस्ताव भेजे जाने के बाद 15 वें वित्त की अनटाइड ग्रांट की बैठक भी कर ली जाएगीं। मेरी ओर से कोई विलंब नहीं है। नगर आयुक्त द्वारा प्रारंभ से ही विकास कार्यों में बाधा एवं अनियमितता की गई है और निरंतर जारी है। जिसमें प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की विकास की योजनाओं के खिलाफ उनकी मानसिकता उजागर होती है।

महाकुंभ का अनोखा आश्रम: यहां सभी महामंडलेश्वर विदेशी, बोलते फर्राटेदार संस्कृत, पूरी तरह भारतीय रंग में रंगे

प्रयागराज। कुंभ मेला के सेक्टर–17 में स्थित शक्तिधाम महाकुंभ का सबसे अनोखा आश्रम है। यह एक मात्र ऐसा आश्रम है, जहां आश्रम के नौ महामंडलेश्वर विदेशी हैं। ये हिंदी सही से नहीं बोल पाते, लेकिन फर्राटेदार संस्कृत में पाठ करते हैं। शक्तिधाम आश्रम में नौ महामंडलेश्वर विदेश से ताल्लुक रखते हैं। इनमें से एक ही महामंडलेश्वर हिंदी में बात करते हैं। सबसे अनोखी बात यह है कि यह सभी महामंडलेश्वर पूरी तरह खुद को भारतीय बना लिए हैं। इन महामंडलेश्वरों में कोई यूएसए कोई इजराइल तो कोई जापान से संबंध ताल्लुकात रखते हैं।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के परिवार ने की राज्य ललित कला अकादमी के राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी की सराहना'

कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा के संयोजन में राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी को मुख्यमंत्री सहित लाखों दर्शकों ने देखा और सराहा'

प्रयागराज। संस्कृति मंत्रालय उत्तर प्रदेश के कला कुंभ पंडाल सेक्टर 7 में प्रख्यात अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा के संयोजन में राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में सोमवार को सायं 5रू00 बजे पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के संपूर्ण परिवार ने भव्य राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का अवलोकन किया और संपूर्ण प्रदर्शनी की सराहना की सभी को प्रदर्शनी बेहद पसंद आई यही नहीं पूरे परिवार ने कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा की कलाकृति गंगा अवतरण के सामने तस्वीर भी खिचवाई और कलाकृति की जमकर तारीफ भी। मंच पर मंत्री परिवार का गिफ्ट हैंपर से सम्मान किया गया। अयोध्या में भगवान राम का रेखा चित्र बनाने वाले प्रसिद्ध चित्रकार एवं अकादमी अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गिरीशचद्र मिश्र, निदेशक डॉ श्रद्धा शुक्ला, सहसंयोजक डॉ सचिन सैनी, आशुतोष त्रिपाठी वं अर्चना पांडेय आदि के कुशल निर्देशन एवं कठोर परिश्रम से लगी यह भव्य कला प्रदर्शनी 26 फरवरी तक चलेगी, इसमें 200 शानदार कलाकृतियां प्रदर्शित हैं। आज दसवें दिन तक लाखों दर्शकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सराहा है।

कैकई ने राजा दशरथ से मांगे दो वरदान'

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र द्वारा महाकुंभ में आयोजित नाट्य उत्सव के अंतर्गत ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से आज संस्था श्द थर्ड बेलश की प्रस्तुति श कैकेयी वरदानश का नाट्य मंचन प्रस्तुत किया गया । लीला में राजा दशरथ से रानी कैकई द्वारा मांगे गए वचन की लीला का मंचन किया गया। भगवान राम की आरती के साथ शुरू हुई रामलीला में जब भगवान राम को अयोध्या का राज देने की चर्चाएं आई तो रानी कैकई को उसकी दासी मंथरा ने भड़का दिया। मंथरा ने कहा कि राम तो राजा बन जाएंगें मगर कैकई पुत्र भरत को कुछ नहीं मिलेगा। इसको लेकर रानी कैकई कोप भवन में चली जाती है। इस बात का जब राजा दशरथ को पता चलता है तो राजा कोप भवन में जाकर रानी कैकई से उसका कारण जानते है। कैकई , राजा दशरथ द्वारा युद्व के दौरान दिये गए वरदान के बारे में याद दिलाती है तथा इसी के अंतर्गत कैकई, दशरथ से अपने पुत्र भरत को राज गद्दी तथा राम को चौदह वर्ष का वनवास मांगती है। इसको सुनकर राजा दशरथ बहुत दुखी होते है। वो कैकई से कहते कि तुम कुछ भी मांग लो, लेकिन राम को वनवास मत मांगो, इस पर कैकई वचन याद दिलाते हुए कहती हैं कि तोड़ दीजिए अपना वचन, महाराज कहा गई आप की रीति कि रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाएं पर वचन जाई। राजा ऐसा ही करने को तैयार हो जाते है। लीला में प्रभु श्री राम की भूमिका में चंकी बच्चन रहे, वही दशरथ की भूमिका शुभेन्द्रू कुमार, कैकई की भूमिका वरिष्ठ अभिनेत्री सुश्री ऋतिका अवस्थी तथा मंथरा की भूमिका वरिष्ठ अभिनेत्री सुश्री प्रतिमा वर्मा द्वारा निभाई गई साथ ही सुमंत्र की भूमिका नीरज मिश्र ने निभाई । इस लीला का निर्देशन वरिष्ठ रंगनिर्देशक आलोक नायर ने किया ।

लोकपाल की जनसुनवाई संवाद निरंतर

प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को जारी

कालाकांकर ब्लाक के बडेरा ग्राम की आई शिकायत

बीडीओ को जांच कर कार्यवाही का दिया निर्देश

सांगीपुर ब्लाक के गदियान ग्राम में 26 जनवरी को लगेगी लोकपाल की चौपाल

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को जन सुनवाई व जन संवाद निरंतर जारी है। आज कालाकांकर ब्लाक के ग्राम पंचायत बडेरा से ग्राम पंचायत मे मनरेगा सहित अन्य ग्राम विकास की योजनाओ में व्यापक अनियमितता की शिकायत की। लोकपाल ने बीडीओ कालाकांकर को एक सप्ताह के भीतर जांच कर आवश्यक कार्यवाही की निर्देश दिया है। ग्राम पंचायत बडेरा के निवासी धर्मेश कुमार ने लोकपाल की जन सुनवाई व संवाद कार्यक्रम में प्रस्तुत होकर ग्राम पंचायत में नाली, खडंजा, इंटर लॉकिंग, पंचायत भवन आदि के संदर्भ में जन समस्या के साथ शपथ पत्र पर शिकायत की गई। मनरेगा योजना की अनियमितता

के साथ फर्जी मास्टर रोल जारी करने की शिकायत की। लोकपाल ने धर्मेश को गंभीरता से सुनकर संबंधित खंड विकास अधिकारी को जांच कर कार्यवाही के निर्देश दिया। एक सप्ताह में आख्या उपलब्ध कराने को कहा। वहीं सांगीपुर ब्लाक के गदियान ग्राम के राम मिलन सरोज की शिकायतों के क्रम में 26 जनवरी को लोकपाल समाज शेखर संबंधित ग्राम जायेंगे। वहाँ ग्राम वासियों व ग्राम पंचायत व मनरेगा कर्मियों के साथ चौपाल में प्रतिभाग कर समस्याओ का स्थलीय निरीक्षण करके समाधान करेंगे। जन सुनवाई व जन संवाद कार्यक्रम मे पंडित दीनदयाल ग्रामीण आजीविका मिशन की मोबलाईजर जिला समन्वयक रंजना विश्वकर्मा ने लोकपाल से अपनी योजनाओ के संदर्भ में मुलाकात की ग्राम स्तर पर जन सहयोग व लोक भागीदारी हेतु सहयोग पर चर्चा की। लोकपाल ने सभी ग्राम पंचायत को इस योजना का लाभ ग्रामीण महिलाओ को दिलाये जाने पर बल दिया।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की डिजिटल प्रदर्शनी में तीन नये कानून की मिल रही जानकारी

नये कानून के तीन आधार न्याय, निष्पक्षता और सामान्य व्यवहार, कानून के हाथ तकनीक के साथ न्याय और नागरिक सुरक्षा पर जोर

महाकुम्भ नगर, 21 जनवरी, 2025 डर नहीं न्याय पर आधारित आजाद भारत के अपने तीन नये कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता जो 1 जुलाई, 2024 से लागू हैं स इन तीन नये कानूनों की विस्तृत जानकारी सरल भाषा में महाकुम्भ प्रयागराज में त्रिवेणी मार्ग पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की आकर्षक डिजिटल प्रदर्शनी में श्रद्धालु जनों को मिल रही है । एनामॉर्फिक वाल, एलईडी टीवी स्क्रीन, एलईडी वाल, होलोग्राफिक सिलेंडर के माध्यम से भारत सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ साथ सरकार की नयी नीतियों, कानूनों और भारतीय संविधान की भी जानकारी प्रदर्शनी के दर्शकों को मिल रही है। दृश्य –श्रव्य माध्यम से बताया जा रहा है कि नये कानून के तीन आधार न्याय, निष्पक्षता और सामान्य व्यवहार हैं, कानून के हाथ तकनीक के साथ हैं जिसमें न्याय और नागरिक सुरक्षा को महत्व दिया गया है। नये कानूनों में भारत की न्याय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, कुशल और समकालीन समाज की आवश्यकताओं के अनुकूल बनाया गया है। तीनों नये कानून भारतीय न्याय प्रणाली में ऐतिहासिक बदलाव के प्रतीक हैं, जो साइबर अपराध, संगठित अपराध जैसी आधुनिक चुनौतियों से निपटने और विभिन्न अपराधों के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए नई संरचना प्रस्तुत करते हैं।

डॉ0 राम जी मिश्र की पुस्तक कुंभ पर्व और नागा संप्रदाय का लोकार्पण आज

प्रयागराज। आज 22 जनवरी 2025 दिन बुधवार को सायंकाल 5 बजे श्रीमद् आर्यावर्त विद्वत् परिषद् के तत्वावधान में कुम्भ मेला प्रयाग स्थित द्वारिका शारदा पीठ शंकराचार्य शिविर में सुप्रतिष्ठित विद्वान, साहित्यकार, डाक्टर रामजी मिश्र की कृति कुम्भ पर्व और नागा सम्प्रदाय का लोकार्पण समारोह आयोजित है। लोकार्पण द्वारिका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य अनन्त श्रीविभूषित स्वामी सदानन्द सरस्वती जी महाराज के कर कमलों से होगा।

नए डीएम के तेवर देख हरकत में आये अधिकारी –सर्द रात में निकले एडीएम ने ओढ़ाए कंबल

मथुरा। नए डीएम के तेवर देख कर अधिकारी भी हरकत में आ गये हैं। नवायुक्त जिलाधिकारी ने चंद्रप्रकाश सिंह ने सभी एसडीएम को जिला मुख्यालय के आवास छोड़ने के निर्देश दिये हैं। वहीं आलाधिकारी लगातार फील्ड में दिखाई दे रहे हैं। शीत लहर से सर्द रातों में ठिठुर रहे गरीबों को कंबल ओढ़ाने को

एडीएम योगानंद पांडेय रविवार की रात को निकल पडे और शहर में घूम घूम कर जरूरतमंदों को कंबल ओढाते नजर आए। वे उनसे चर्चा कर उनसे जानकारी भी जुटाते रहे और सर्दी से बचने के लिए शैल्टर हॉम्स में रात बिताने के लिए प्रेरित करते नजर आए। एडीएम ने रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टैंड, चौक चौराहों आदि स्थानों पर पहुंच कर अलावों का जायजा लिया तथा जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। इस दौरान एडीएम ने पालिका कर्मियों को सभी सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से अलाव जलवाते रहने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने गांधी चिकित्सालय स्थित सेल्टर हाउस में बने रैन बसेरा का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रैन बसेरा में साफ सफाई, कंबल, रजाई की उपलब्धता की जानकारी ली एवं उनका हाल भी जाना। एडीएम ने निर्देश दिए कि किसी भी राहगीर को ठंड से किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो। जिस भी राहगीर की एंट्री हो उसका पहचान पत्र अवश्य देखें एवं रजिस्ट्रर पर अंकन किया जाए। निरीक्षण के समय पालिका के लेखाधिकारी योगेंद्र शर्मा, जेई जल विभाग विकास चौहान, हरेकिशन आदि मौजूद थे।

उत्कृष्ट कार्य के लिए जनपद के 14 ग्राम पंचायत सचिव पुरस्कृत

–जिला पंचायत राज अधिकारी किरन चौधरी ने दिये प्रशस्ति पत्र

मथुरा। ग्राम पंचायतों के समग्र एवं समेकित विकास के लिए ग्राम पंचायत विकास योजना (जी.पी.डी.पी.) हमारी योजना हमारा विकास की प्रक्रिया को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में वर्ष 2015–16 से लागू किया गया है। जनपद मथुरा में ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा अपनी तैनाती की ग्राम पंचायतो में समयबद्ध तरीके से ग्राम सभा की खुली बैठक आयोजित कर अधिक से अधिक जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए (ग्राम पंचायत विकास योजना) जीपीडीपी कार्ययोजना वित्तीय वर्ष 2025– 26 तैयार कर विभाग की ई ग्राम स्वराज पोर्टल पर ससमय अपलोड किए जाने के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले ग्राम पंचायत सचिवों को जिला पंचायतराज अधिकारी किरन चौधरी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड मथुरा लवी बंसल, अंशु राठी, ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड राया, कान्ता सिंह ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड गोवर्धन, हरेन्द्र सिंह ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड मथुरा, वीरेश शर्मा ग्राम पंचायत अधिकारी विकास खण्ड मथुरा, वीरेन्द्रपाल ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड मथुरा, मोहनश्याम, ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड छाता, रामवीर सिंह, ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड गोवर्धन, गुपाल सिंह, ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड मथुरा, नीलम अग्रवाल, ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड गोवर्धन, मेम्बर सिंह ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड फरह, चोखेलाल उपाध्याय ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड नन्दगांव, राहुल कुमार ग्रामपंचायत अधिकारी विकासखंड मांट, गोपाल सिंह ग्रामविकास अधिकारी विकासखंड मथुरा, सम्मान समारोह कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी पंचायत श्याम सुंदर सारस्वत, अपर जिला परियोजना प्रबंधक राजेश सोलंकी, जिला कंसल्टेंट पवन, शेखरकांत वर्मा, मनोज कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे।

महाकुम्भ में आइए

(कुण्डलिया)

महाकुम्भ की यह धरा,है ऋषियों की भूमि।
गंगा–जल माथे लगा,भक्त रहे हैं चूमि।
भक्त रहे हैं चूमि, देव सब हर्षित होते।
भावों का संसार, भाव में सब हैं खोते।
सुन लो कहें प्रदीप, भुलाकर अपनी नगरी।
करते हैं गुणगान, मनुज सब महाकुम्भ की।।

महाकुम्भ में आइए, बनिएँ नहीं समर्थ।
संगम तीरे बैठकर,जानें जीवन अर्थ।
जानें जीवन अर्थ, बैठ भक्तों की पंगत।
सुनते गीता पाठ,करें संतों की संगत।
सुन लो कहें प्रदीप, समझ जल की महिमा से।
पावन मन संसार, हुआ, इस महाकुम्भ में।।

डॉ०प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

सम्पादकीय.....

हादसों की सड़क

यह शर्मनाक ही है कि भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। इन दुर्घटनाओं में अन्य कारणों के अलावा सबसे अधिक भूमिका तकनीकी व गुणवत्ता की खामियों वाली सड़कों की होती है। यह भयावह है कि वर्ष 2023 में देश में हुई पांच लाख दुर्घटनाओं में करीब पौने दो लाख लोगों की मौत हुई। उस पर सबसे दुखद यह है कि मरने वालों में एक लाख चौदह हजार लोग अट्ठारह से 45 वर्ष के बीच के युवा थे। जो परिवार के कमाने वाले व नई उम्मीद थे। इन हालात को देखते हुए ही केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने वर्ष 2030 तक इन सड़क दुर्घटनाओं को आधा करने का लक्ष्य रखा है। यह विडंबना ही है कि दुर्घटनाएं रोकने के लिये सख्त कानून बनाने एवं तकनीक के जरिये चालकों की लापरवाही पर नजर रखने जैसे उपायों के बावजूद आशातीत परिणाम सामने नहीं आए हैं। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बेबाक सुझाव से सहमत हुआ जा सकता है कि खराब सड़क निर्माण को गैर–जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। इसके लिये ठेकेदार और इंजीनियर की जवाबदेही तय होनी चाहिए। हाल ही में भारतीय उद्योग परिसंघ के एक कार्यक्रम में उन्होंने दुरूख जताया कि विदेशों में होने वाले कार्यक्रमों में जब भारत में विश्व की सर्वाधिक सड़क दुर्घटना वाले देश के रूप में चर्चा होती है, तो उन्हें शर्म महसूस होती है। आखिर तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसे क्यों नहीं थम रहे हैं। यह बात तय है कि अगले पांच सालों में सड़क दुर्घटनाओं को यदि आधा करना है, तो युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। उन कारणों को तलाशना होगा, जिनकी वजह से हर साल सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि होती है। आखिर क्या वजह है कि राजमार्गों के विस्तार और तेज गति के अनुकूल सड़कें बनने के बावजूद हादसे बढ़े हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि राजमार्गों व विभिन्न तीव्र गति वाली सड़कों में साम्य का अभाव है, वहीं मोड़ों को दुर्घटना मुक्त बनाने हेतु तकनीक में बदलाव की जरूरत है। ऐसे में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय को उन कारणों की पड़ताल करनी होगी, जो पर्याप्त धन आवंटन के बावजूद सड़कों को दुर्घटनामुक्त बनाने में बाधक हैं। ऐसे में जरूरी है कि सड़कों की निर्माण सामग्री और डिजाइनों की निगरानी के लिये स्वतंत्र व सशक्त तंत्र बनाया जाए, जो बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के काम कर सके। साथ ही मंत्रालय का दायित्व बनता है कि इस बाबत स्पष्ट नीति को सख्ती से लागू किया जाए। यह जानते हुए कि सड़कों के ठेके में मोटे मुनाफे के लिए एक समांतर भ्रष्ट तंत्र देश में विकसित हुआ है, जो निर्माण कार्य की गुणवत्ता से समझौता करने से परहेज नहीं करता। जिसके खिलाफ उठने वाली ईमानदार आवाजें दबा दी जाती हैं। निस्संदेह, गुणवत्ता का मूल्यांकन करने वाली व्यवस्था की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। तब हमें यह सुनने को नहीं मिलेगा कि उद्घाटन के कुछ ही बाद ही सड़क उखड़ गई या बारिश में घुल गई।

एमएसपी और आठवां वेतन आयोग

डॉ. दीपक पाचपोर

दिल्ली में अगले महीने की शुरुआत में ही चुनाव होने हैं, जिसमें भाजपा उम्मीद लगा कर बैठी है कि उसका 26 सालों का वनवास खत्म होगा और उसे दिल्ली की सत्ता भी मिलेगी।

पिछले 55 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल आखिरकार चिकित्सा सहायता लेने के लिए राजी हो गए हैं। श्री डल्लेवाल ने यह मंजूरी तब दी जब केंद्र सरकार ने जानकारी दी कि आगामी 14 फरवरी को चंडीगढ़ में किसानों से वह बातचीत करेगी। हालांकि जगजीत सिंह डल्लेवाल अब भी इस बात पर अडिग हैं कि वह मांगें पूरी होने तक अन्न ग्रहण नहीं करेंगे। पिछले 11 महीनों से आंदोलन पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधियों से केंद्रीय कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रिय रंजन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। बैठक के ऐलान के बाद किसान नेताओं ने डल्लेवाल से अनुरोध किया कि वे चिकित्सा सहायता लें ताकि वे इस प्रस्तावित बैठक में हिस्सा ले सकें। श्री डल्लेवाल का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता जा रहा है और इस पर अदालत भी चिंता जतला चुकी है, लेकिन सरकार इस बारे में सही में कितनी फिक्रमंद है, यह विचारणीय है। पिछले साल 13 फरवरी से शंभू और खनौरी सीमा पर आंदोलनकारी किसान डेरा डाले हुए हैं, क्योंकि सुरक्षा बलों ने उन्हें अपनी फसलों के लिए कानूनी एमएसपी गारंटी सहित विभिन्न मांगों को लेकर दिल्ली तक मार्च करने की अनुमति नहीं दी थी। पिछले साल 8, 12, 15 और 18 फरवरी को केंद्रीय मंत्रियों और प्रदर्शनकारी किसानों के बीच चार दौर की बैठकें हुई थीं, जो बेनतीजा रही थी। अब एक लंबे अंतराल के बाद फिर से किसानों के साथ बैठक प्रस्तावित हुई है, जिसका क्या नतीजा निकलेगा इस बारे में कुछ भी कहना कठिन है। पिछले अनुभव तो यही बताते हैं कि सरकार हद दर्जे की हठधर्मिता दिखाती है। वह हर हाल में किसानों को मजबूर और लाचार बनाकर झुकाना चाहती है। इससे पहले जब 2020–21 में किसानों ने ऐसा ही लंबा आंदोलन किया था, तो आखिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह कहकर तीनों कृषि कानून वापस लिए थे कि मेरी तपस्या में कोई कमी रह गई, जो मैं समझा नहीं पाया। यानी यहां भी सरकार ने अपनी गलती नहीं मानी, केवल यह स्वीकार किया था कि किसान कृषि कानूनों की उपयोगिता नहीं समझ सके। किसान तब कृषि कानूनों को वापस लेने के साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य अपनी फसलों के लिए मांग रहे थे, अब भी उनकी मांग वही है। लेकिन सरकार के तर्क भी वही हैं कि इससे सरकारी कोष पर भार बढ़ेगा। आश्चर्य यह है कि जब सरकार आठवां वेतन आयोग के गठन की मंजूरी देती है, तब उसे इस वित्तीय भार की चिंता नहीं होती। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी गुरुवार को केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन और पेंशनभोगियों के भत्तों में संशोधन के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी है। सरकार के इस फैसले से लगभग 50 लाख केन्द्रीय कर्मियों को लाभ होगा, साथ ही लगभग 65 लाख पेंशनधारकों की पेंशन में भी बढ़ोतरी होगी। अकेले दिल्ली में ही लगभग चार लाख कर्मचारियों को लाभ होगा, इनमें रक्षा और दिल्ली सरकार के कर्मचारी शामिल हैं। दिल्ली में अगले महीने की शुरुआत में ही चुनाव होने हैं, जिसमें भाजपा उम्मीद लगा कर बैठी है कि उसका 26 सालों का वनवास खत्म होगा और उसे दिल्ली की सत्ता भी मिलेगी। हालांकि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की तगड़ी तैयारियों के आगे भाजपा के लिए सत्ता हासिल करना कठिन चुनौती है। भाजपा की मुश्किल आसान करने के लिए ही शायद मोदी सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन का फैसला लिया, ताकि दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों की एक बड़ी आबादी के वोट उसके लिए सुनिश्चित हो जाएं। जानकारी के मुताबिक, आठवें वेतन आयोग में न्यूनतम आधार वेतन को बढ़ाकर 34,650 रुपये किया जा सकता है, जो कि सातवें वेतन आयोग में 17,990 रुपये है। वहीं, पेंशन को 9,000 रुपये से बढ़ाकर 17,280 रुपये किया जा सकता है। हालांकि, ये सिर्फ संभावना है, अगले साल 2026 में जब आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू होंगी, तब असल आंकड़े सामने आएंगे। पाठकों को बता दें कि सातवें वेतन आयोग का गठन 2014 में किया गया था और इसकी सिफारिशें एक जनवरी, 2016 से लागू हुई थीं, जो 2026 में समाप्त हो रही हैं। सातवें वेतन आयोग के तहत वित्त वर्ष 2016–17 में खर्च में एक लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। आठवें वेतन आयोग से सरकार पर करीब दो लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ने का अनुमान है। सरकारी कर्मचारियों ने वेतन या पेंशन बढ़ाने के लिए कोई आंदोलन नहीं किया, सड़कों पर दिन–रात नहीं बैठे, अपनी रोजी–रोटी दांव पर नहीं लगाई, फिर भी सरकार ने चलन के अनुसार हर दस साल में वेतन आयोग गठित करने की परिपाटी का पालन किया और वेतन बढ़ाने का रास्ता साफ कर दिया। अच्छी बात है कि जिन लोगों की वजह से सरकार का कामकाज सुचारू चलता है और देश में व्यवस्था बने रहती है, उनके हक का ध्यान सरकार ने रखा। लेकिन क्या सरकार का यही रवैया किसानों के प्रति भी नहीं होना चाहिए। किसान भी तो दिन–रात, सभी मौसमों में काम करके देश के लिए अनाज उगाते हैं। और वे अपनी मेहनत के बदले अनाप–शनाप मांग भी नहीं करते, केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य चाहते हैं ताकि उनकी लागत वसूल हो सके और नयी फसल उगाने के लिए वे खाद–पानी–बीज की अच्छी व्यवस्था कर सकें। यह कोई बेजा मांग नहीं है, जिसे सरकार लगातार अनसुना कर रही है। 2021 के आंदोलन के बाद एमएसपी के लिए सरकार ने एक समिति गठित की थी। उस समिति की रिपोर्ट आज तक नहीं आई है। अब फिर से पिछले 11 महीनों से एक नया आंदोलन शुरु हुआ है और उसकी तरफ भी सरकार का रवैया बेरुखा ही रहा है। यह रवैया चुनावों के वक्त जरूर उदार हो जाता है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा में धान की खरीद 2300 रुपये प्रति क्विंटल के एमएसपी की बजाय 3100 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर करना मुमकिन हो गया था, क्योंकि वहां चुनाव में लाभ लेना था। लेकिन सवाल यह है कि जो काम दो राज्यों में हो सकता है, वो बाकी जगहों पर क्यों संभव नहीं है। देश में करीब 14.6 करोड़ किसान हैं। सरकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 9 करोड़ किसानों को सालाना छह हजार रुपये की सहायता देती है। लेकिन खैरात की तरह साल के छह हजार रूपए देने की जगह अगर एमएसपी की मांग सरकार पूरी करे तो किसानों का आत्मसम्मान बचेगा, उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा, देश में कृषि का विकास होगा और इन सबसे आखिर में देश की आर्थिक व्यवस्था को ही मजबूती मिलेगी।

कांग्रेस: विश्वासघातियों का फोटो लगाने से अच्छा संदेश नहीं

शकील अख्तर

कांग्रेस का नया भवन अच्छा है लेकिन पार्टी इसे जो अपना भविष्य बनाने वाले और सब कुछ बदल देने वाले कारनामे की तरह पेश कर रही है यह खतरनाक है। भवनों से सफलता नहीं मिलती। समस्याएं खत्म नहीं होती। उनसे तो लड़ना पड़ता है। पहचान की स्टेज तक तो पहुंच गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नवंबर में दिल्ली में हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में सब कुछ बता दिया कि पार्टी की हालत क्या है। भयंकर गुटबाजी है। रणनीति का अभाव है, संगठन नहीं है। और भी बहुत कुछ। कहा कि कठोर निर्णय लेना पड़ेंगे। जवाबदेही तय करना पड़ेगी। हम जब आपस में ही एक दूसरे पर आरोप लगाते हैं तो विरोधियों को कैसे हरा पाएंगे? राहुल गांधी ने भी कहा कि सख्ती से काम लीजिए। कड़े एक्शन लीजिए। तो यह समस्याओं की पहचान तो सही ढंग से हो गई। उसके बाद बेलगावी की एक और सीडब्ल्यूसी भी हो गई। अब समस्याओं के समाधान का समय है। संगठन के पुनर्निर्माण का। इन सब का हल नए भवन से नहीं मिलेगा। हर बड़ी पार्टी का दिल्ली में अपना मुख्यालय है। भाजपा के तो दो एक मुख्यालय, एक उसका एक्सटेंशन। सीपीएम, सीपीआई, बसपा सबके अपने आफिस हैं। कांग्रेस का तो सबसे बाद में बना है। और शायद इसलिए वह खुशी भी ज्यादा प्रकट कर रही है। ठीक है। बुरे समय में खुशी का कोई मौका छोड़ना नहीं चाहिए। मगर उसे इलाज नहीं समझ लेना चाहिए। यह कहने का कोई मतलब नहीं है कि इंदिरा भवन लोकतंत्र की रक्षा और सजग विपक्ष की भूमिका निभाने को तैयार। पार्टी की ऐतिहासिक विरासत का प्रतिबिम्ब इसमें देखना। पार्टी की विरासत बहुत बड़ी चीज है। आजादी के आन्दोलन का नेतृत्व करने के मौके से लेकर भारत के नवनिर्माण तक। मगर यह समझने की और इसके विचार लोगों तक लगातार पहुंचाते रहने की जरूरत है। विरासत के नाम पर नेताओं के फोटो लगाने से पार्टी का मैसेज कहीं नहीं जाएगा। और उन नेताओं के फोटो जिन्होंने पार्टी के साथ गद्दारी की हो लगाने से उल्टा मैसेज और चला जाएगा। वीपी सिंह जिन्होंने बोफोर्स के झूठे आरोप लगाकर राजीव गांधी की सरकार ही पलट दी थी– का फोटो या सोनिया गांधी राहुल पर झूठे आरोप लगाने वाले गुलाम नबी आजाद का फोटो लगाकर कांग्रेस अपने वफादार नेताओं और कार्यकर्ताओं को क्या संदेश दे रही है? कि गद्दारी करोगे तो हमेशा याद रखे जाओगे। सम्मान मिलता रहेगा? लोग सफाई में कह रहे हैं कि इतिहास नहीं बदला जा सकता। फोटो कोई इतिहास होता है? 139 साल पुरानी पार्टी के पास इतिहास को बदल देने वाले लाखों फोटो हैं। दुनिया का भूगोल बदल देने वाले भी। उनमें आजाद और वीपी सिंह की तस्वीरों की क्या प्रासंगिकता है। किसी एक ग्रुप में साथ हैं बस यह! या तो कोई ऐसा फोटो हो जो एक मात्र हो। यह तो ऐसे हैं जिस नेचर को हजारों हजार फोटो हैं। राजीव गांधी के साथ वीपी का। और सोनिया राहुल प्रियंका के साथ आजाद का। किसे दिखाना चाह रहे हो आप? राजीव, सोनिया, प्रियंका, राहुल के तो बहुत फोटो हैं उन नेताओं के साथ जो जीवन भर पार्टी के लिए समर्पित रहे। वीपी और आजाद के साथ राजीव सोनिया राहुल प्रियंका को दिखाने का क्या मैसेज है? कांग्रेस के इन फैसलों को कोई नहीं समझ सकता। लेकिन यह स्पष्ट है कि इससे वफादार कार्यकर्ताओं और नेताओं में गलत संदेश जाता है। अब लोग कहने लगे हैं कि हरियाणा में पार्टी को हराने वाले नेताओं को चिन्ता करने की कोई जरूरत नहीं। वीपी और आजाद के फोटो लगाकर पार्टी ने बता दिया है कि नुकसान पहुंचाने वालों से पार्टी नाराज नहीं होती है बल्कि उनका सम्मान कायम रहता है या और बढ़ता है। चिन्ता समर्पित कार्यकर्ताओं को करने की जरूरत है जो हरियाणा और महाराष्ट्र की हार के बाद हुई दिल्ली सीडब्ल्यूसी और बेलगावी सीडब्ल्यूसी में कहे गए वचनों पर भरोसा करने लगे थे। दिल्ली के बाद बेलगावी में तो खरगे ने एक कदम और आगे बढ़ाकर यहां तक कहा था कि पार्टी अच्छे मेहनती लोगों को ढूंढकर संगठन में जगह देगी। कांग्रेस को यह समझना जरूरी है कि इस समय उसका मुकाबला उन मोदी से है जिन्होंने सारी संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है। बस केवल एक राहुल बचे हुए हैं। जो हथियार डालने को तैयार नहीं है। जो बात उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा से पहले कही थी कि कोई चले या न चले में अकेला जाऊंगा। उस पर आज तक कायम हैं। और न केवल कायम हैं बल्कि एक कदम आगे बढ़कर अभी दिल्ली में कांग्रेस चुनाव प्रचार का आगाज करते हुए सीलमपुर में यहां तक कह दिया कि जब तक मैं जिन्दा हूं कोई किसी कमजोर को गरीब को छू नहीं सकता। राहुल को देश नहीं समझ रहा यह शिकायत जायज है। मगर खुद कांग्रेस नहीं समझ रही इसका क्या इलाज है? राहुल संगठन के आदमी नहीं हैं। वे सीधे जनता से जुड़ने वाले आदमी हैं। बहुत मुश्किल से महासचिव बने थे। फिर उपाध्यक्ष। फिर अध्यक्ष। यह कहते हैं परिवार सब पर अपना कब्जा रखना चाहता है। यह राजनीतिक बयान है। परिवार को राहुल को दबाव में लाने के लिए जनता में भ्रम पैदा करने के लिए। राहुल चाहते तो सीधे प्रधानमंत्री भी बन सकते थे। और अगर वे 2009 के बाद कभी भी बन जाते तो इतनी सीटों से ज्यादा तो कांग्रेस की आ ही जातीं। 2014 चुनाव से पहले कांग्रेस हार मान चुकी थी। राहुल होते तो लड़ते। और अगर कांग्रेस थोड़ा सा भी लड़ते दिखती तो उसकी सौ से कम सीटें को किसी भी हालत में नहीं आतीं। इमरजेन्सी के बाद हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 2014 से पहले तक के चुनावों में सबसे कम सीटें मिली थी। 154। मगर 2014 में तो वह केवल 44 पर आ गई। लेकिन राहुल कुछ नहीं बने। पद और दिखावटी प्रतिष्ठा में उनकी रूचि नहीं रही। 2017 में भी पार्टी के दबाव में अध्यक्ष बने मगर केवल डेढ़ साल रहे। 2019 में इस्तीफा दे दिया। राहुल क्या कर सकते हैं। यह उन्होंने बता दिया। एक जन नेता की तरह पार्टी और देश को निर्भय नेतृत्व। यह मैसेज अपने बोलने, जनता के बीच लगातार रहने से वे दे चुके हैं। राहुल किसी से नहीं डरता। जनता का जो भी दुखी परेशान है राहुल उनके साथ खड़ा है। और कोई किसी जाति, धर्म, गरीब, मध्यमवर्गीय किसी वर्ग का हो राहुल को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हर पीड़ित उनके लिए समान है और यही बात सीलमपुर में कही थी कि जब तक जिन्दा हूं किसी के साथ कोई अत्याचार नहीं होने दूंगा। यह राहुल की ताकत और उनकी जनता में छवि है। इसी के अनुरूप कांग्रेस को उनके प्रोग्राम बनाना चाहिए। संविधान, जाति गणना, 50 प्रतिशत से ऊपर आरक्षण के मुद्दों को वे स्थापित कर चुके हैं। कांग्रेस को इसी के आसपास अपनी उस रणनीति को बनाना चाहिए जिसका जिक्र खरगे ने दिल्ली सीडब्ल्यूसी में किया था। अब काम खरगे का और कांग्रेस के बाकी नेताओं का है कि वे जल्दी से जल्दी पार्टी संगठन के काम को पूरा करें। उन लोगों को बाहर करें जो राज्यों की विधानसभाओं की हार के सीधे जिम्मेदार हैं। कम से कम तीन राज्यों हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश के नेताओं ने तो सीधे–सीधे कांग्रेस को डूबोया है। इन सबको बाहर करने की जरूरत है। रणनीति बनाना, ट्रेनिंग, यह सब बाद की चीजें हैं। पहला नेतृत्व दिखाना। सामने खरगे ही हैं। उन्हीं को करना पड़ेगा। सलाह चाहे जिस से लें। मगर संगठन को जल्दी से जल्दी पूरा बनाना पड़ेगा। नए आफिस में जगह दे दी है। क्या जरूरत थी। पुराने में अकबर रोड वाले पर ही कौन बैठता है? नए आफिस में जब नए लोग आते थे उन्हें बिठाना था। खुद कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने आफिस में बैठना शुरू नहीं किया है। दो साल से ज्यादा हो गए अध्यक्ष बने। दफ्तर में बैठना और लोगों से मिलने का सबसे ज्यादा असर होता है। कांग्रेस के काम बहुत हैं। 11 साल से बहुत सुस्त रफ्तार में पार्टी चल रही है। नए आफिस को बड़ी उपलब्धि बता रहे हैं। मगर यह भी 2009 में शुरू हुआ था 2025 में बन पाया। 16 साल बहुत होते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

हिंडनबर्ग रिसर्च बॉडी का बंद होना अडानी समूह के लिए राहत की बात

अंजन रॉय

विवादित इक्विटी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग अचानक बंद हो गयी है। संचालन को समाप्त करते हुए, फर्म के संस्थापक और शॉर्ट–सेलर ने कहा कि यह उनके जीवन का केवल एक अध्याय था, न कि एकमात्र अध्याय। हिंडनबर्ग के बंद होने की खबर ने तुरंत भारत में राजनीतिक मोड़ ले लिया। जहां एक ओर सत्तारूढ़ भाजपा ने कहा था कि हिंडनबर्ग जैसे एजंट आर्थिक आतंकवादी थे जिन्होंने भारत में मूल्यवान को नष्ट करने का काम किया, वहीं दूसरी ओर विपक्षी कांग्रेस ने कहा कि हिंडनबर्ग के बंद होने की इस घटना का अर्थ यह नहीं कि अडानी समूह पर भ्रष्टाचार और कदाचार के प्रयासों के सभी आरोप अब समाप्त हो गये हैं तथा समूह पाक–साफ हो गया है। हिंडनबर्ग भारत में तब चर्चा में आया जब उसने अडानी समूह की उभरती कंपनियों पर रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें कहा गया कि समूह पर भारी कर्ज का बोझ है, जिसका बैलेंस शीट में उचित प्रावधान नहीं किया गया है। अडानी पर महत्वपूर्ण सरकारी मंजूरी और अनुबंध प्राप्त करने के लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने जैसे अन्य आरोप भी थे। हिंडनबर्ग के इशारे पर, अमेरिकी अधिकारियों ने अडानी समूह के मामलों की जांच शुरू की थी, क्योंकि भारतीय समूह ने अमेरिका में धन जुटाया था। अमेरिकी अधिकारी उनके भतीजे गौतम अडानी को गिरफ्तार करने के आदेश जारी करने की हद तक चले गये थे। अडानी समूह ने कुछ अमेरिकी फंड वापस करके स्थिति को पुनः प्राप्त करने की कोशिश की थी। फिर भी, पीछे हटने की कार्रवाई के बावजूद, हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने अडानी समूह की कंपनियों के बाजार पूंजीकरण से भारी मूल्य मिटा दिया था। हिंडनबर्ग रिपोर्ट सार्वजनिक होने से पहले,अडानी समूह के प्रमुख प्रमोटर गौतम अडानी को मुकेश अंबानी से आगे धन की दुनिया में सबसे अमीर व्यक्तियों में से एक माना जाता था। रिपोर्ट के प्रकाशन ने उनकी संपत्ति को इतना कम कर दिया कि वे नीचे गिर गये। अडानी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद, समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई और निवेशकों ने अपनी इक्विटी होल्डिंग पर बड़ी रकम खो दी। हालांकि, बाद में शेयर की कीमतें पूरी तरह से ठीक हो गयीं। इस बीच, हिंडनबर्ग ने वह किया जिसे शॉर्ट सेलिंग के रूप में जाना जाता है, यानी, जब कोई निवेशक किसी शेयर की कीमत गिरने की उम्मीद करता है तो इस तरह कीमत गिरने की उम्मीद में उन्हें बेच देता है। इन निवेशकों को शॉर्ट सेलर या मंदी की स्थिति लेने वाले निवेशक कहा जाता है। अडानी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट ने बिल्कुल इसी तरह की स्थिति पैदा की है और आम निवेशकों को बहुत नुकसान हुआ है। हालांकि, शोध फर्म संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ–साथ भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) में भी जांच के घेरे में आ गयी थी। अडानी शेयरों के अलावा, शोध फर्म ने कई अन्य कंपनियों पर भी इसी तरह की रिपोर्टें प्रकाशित की थी। अमेरिकी प्रतिभूति निरीक्षण निकाय, प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) ने भी अपनी रिपोर्टों के माध्यम से फर्म की प्रथाओं और बाजार में हेरफेर की जांच शुरू कर दी थी। संभवतरू, इन सभी जांचों के दबाव में और आगे के खुलासों की प्रत्याशा में, फर्म ने अपने परिचालन को बंद करने का फैसला किया। हिंडनबर्ग भी भारी संकटग्रस्त मुद्रा व्यापारी जॉर्ज सोरोस के साथ अपने संबंधों के कारण जांच के घेरे में था। जैसे ही हिंडनबर्ग बंद होने की रिपोर्टें सामने आयीं, अडानी समूह के कर्मचारियों और निवेशकों में खुशी की लहर दौड़ गयी। कुछ ने तो यहां तक कहा कि अडानी समूह की अजेयता की स्थिति सही साबित हुई। हालांकि, कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने इस बात पर जोर देने का बीड़ा उठाया कि इसका मतलब अडानी समूह को क्लीन चिट नहीं है। समूह भारतीय बाजार में कई आरोपों का सामना कर रहा है। कुछ की जांच सेबी द्वारा की जा रही है। भारत सरकार और उसकी जांच एजंसियों को यह सुनिश्चित करने में उचित काम करना चाहिए कि अडानी समूह की कंपनियां बाजार के सिद्धांतों का पालन करें और अपने बाजार पूंजीकरण को बढ़ाने के लिए शेयरों की कीमतों में हेरफेर न करें। भारत के लोग विदेशी एजंसियों की रिपोर्टों से प्रभावित होते हैं क्योंकि उन्हें सेबी जैसी भारतीय एजंसियों की निष्पक्ष कार्यप्रणाली पर संदेह है। यह खत्म होना चाहिए। नरेंद्र मोदी सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि अडानी समूह को उसकी नियामक एजंसियों से किसी भी अन्य भारतीय कंपनी की तरह ही समान व्यवहार मिले। कोई वरीयता नहीं।

मन से चाह लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं : अक्षरा सिंह

> इंस्टाग्राम पर वर्कआउट की तस्वीरें साझा करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, "मन से चाह लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है।" चार तस्वीरों में से दो में अक्षरा जिम में पसीना बहाती हैं, तो दो में खुली छत पर एक्सरसाइज करती नजर आईं। तस्वीरों के अलावा, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिटनेस ट्रेनर मसरूफ अहमद के एक वीडियो को साझा किया, जिसमें वह प्लैंक एक्सरसाइज करती दिखाई दीं।

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री अक्षरा सिंह खुद को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए जिम में खूब पसीना बहा रही हैं। इसकी झलक उन्होंने इंस्टाग्राम पोस्ट में दिखाई। अक्षरा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं और अक्सर निजी और काम से जुड़े पोस्ट साझा करती रहती हैं। इंस्टाग्राम पर वर्कआउट की तस्वीरें साझा करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, "मन से चाह लो तो दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है।" चार तस्वीरों में से दो में अक्षरा जिम में पसीना बहाती हैं, तो दो में खुली छत पर एक्सरसाइज करती नजर आईं। तस्वीरों के अलावा, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर फिटनेस ट्रेनर मसरूफ अहमद के एक वीडियो को साझा किया, जिसमें वह प्लैंक एक्सरसाइज करती दिखाई दीं। अभिनेत्री 10 किलो के प्लेट के साथ प्लैंक करती नजर आईं। भोजपुरी फिल्मों में कमाल के अभिनय के साथ अभिनेत्री बेहतरीन गायिका भी हैं। उन्होंने हाल ही में एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह महाकुंभ के महत्व को अपने गाने के साथ बताती नजर आईं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, हिमालय से आते मुनि रमाते संगम में धूनी। अक्षरा सिंह ने महाकुंभ के लिए एक खास गाना तैयार किया है। गाने की पहली झलक अभिनेत्री ने 16 जनवरी को सोशल मीडिया पर साझा की थी। लेटेस्ट वीडियो में अभिनेत्री 'महाकुंभ में डुबकी लगाओ' नाम के गाने को गाती भक्ति–भाव में डूबी नजर आईं। अक्षरा सिंह की हालिया रिलीज अक्षरा दुनिया भर में धूम मचा रही है। देशभक्ति से भरपूर भोजपुरी फिल्म वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिशियल यूट्यूब चौनल पर रिलीज हुई है। फिल्म में अक्षरा के साथ अभिनेता अंशुमान मिश्रा मुख्य भूमिका में हैं। सत्यमेव जयते से डेब्यू करने वाली अभिनेत्री अक्षरा सिंह फिल्म इंडस्ट्री को सत्या, सरकार राज, मां तुझे सलाम, ६ ड़कन, तबादला, सत्य, प्रेम विवाह, साथिया, दिलेर, तबादला, सौगंध गंगा मैया के जैसी हिट फिल्में दे चुकी हैं। इसके साथ ही अक्षरा बिग बॉस ओटीटी समेत सर्विस वाली बहू, पोरस, काला टीका जैसे टीवी शो में भी काम कर चुकी हैं।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के लिए स्विट्जरलैंड रवाना हुई भूमि पेडनेकर

जलवायु संरक्षण के लिए काम करने वाली अभिनेत्री भूमि पेडनेकर विश्व आर्थिक मंच के यंग ग्लोबल लीडर्स (वाईजीएल) के सदस्य के तौर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस में हैं जहां मंच के वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। भूमि पेडनेकर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दावोस 2025 विश्व आर्थिक मंच के वार्षिक कार्यक्रम के लिए स्विट्जरलैंड पहुंची अभिनेत्री कार की सवारी करती नजर आईं। इससे पहले अभिनेत्री ने विश्व आर्थिक मंच के लिए वाईजीएल (यंग ग्लोबल लीडर) के रूप में अपने अगले कदमों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, मैं अपने व्यस्त शूटिंग कैलेंडर के बावजूद दावोस में भाग लेना चाहती हूं। एक अभिनेता के रूप में, एक उद्यमी के रूप में और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो प्रभाव छोड़ना चाहता है, यह वर्ष मेरे लिए बहुत व्यस्त है। मुझे उम्मीद है कि मैं दावोस और हर उस मंच पर मौजूद रहूंगी जहां मेरी आवाज की जरूरत है। भूमि पेडनेकर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह के साथ अपकमिंग रोमांटिक एंटरटेनर 'मेरे हसबैंड की बीवी' में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। टीम फिलहाल बची हुई शूटिंग और पोस्ट–प्रोडक्शन के काम को पूरा करने में व्यस्त है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक गाने की शूटिंग के दौरान फिल्म के सेट पर एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना हुई। रॉयल पाम्स के इंपीरियल पैलेस में एक गाने की शूटिंग के दौरान छत गिर गई। जब यह घटना हुई, तब अर्जुन कपूर, भूमि पेडनेकर, जैकी भगनानी और निर्देशक मुदस्सर अजीज सेट पर मौजूद थे, लेकिन कलाकारों या क्रू मेंबर में से किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई। हालांकि, फोटोग्राफी के निर्देशक का अंगूठा फ्रैक्चर हो गया और कैमरामैन की रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। इसके अलावा, निर्देशक मुदस्सर अजीज भी दुर्घटना के दौरान घायल हो गए। मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी फिल्म मेरी हसबैंड की बीवी इस साल 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिग बस्स 18 से हारने के बाद टूटा रजत दलाल का दिल, कहा-मैंने हमेशा जिंदगी में जीतने के लिए..

रविवार रात विवादित रियलिटी शो बिग बॉस 18 का ग्रैंड फिनाले हुआ, जहां करणवीर मेहरा ने शो की ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं, विवियन डीसेना फर्स्ट रनर–अप बने और रजत दलाल ने सेकंड रनर–अप की पोजीशन हासिल की। रजत की फैन–फॉलोइंग काफी मजबूत थी और उनके फैंस उन्हें जीत का दावेदार मान रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे में बिग बॉस से बाहर निकलने के बाद रजत दलाल ने अपनी हार पर प्रतिक्रिया दी। बिग बॉस से बाहर निकलने के बाद रजत दलाल ने कहा, मैं ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन उन सभी का धन्यवाद जो मुझे यहां लाने के लिए चुना। मैंने हमेशा अपनी जिंदगी में जीतने के लिए ही प्रतिस्पर्धा की है, चाहे वह पढ़ाई हो या खेल। कभी भी मैंने दूसरे नंबर के लिए नहीं खेला। यहां तक कि अगर 2–3 नंबर पर आता तो भी मुझे दूसरा मौका मिलता था, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। थोड़ी निराशा है, पर ठीक है। इसके बाद, रजत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने बिग बॉस की यात्रा का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, आप सभी को ढेर सारा प्यार। जितना प्यार मुझे मिला, वो मैंने उम्मीद नहीं की थी। यही मेरी असली जीत है और मैं इसे अपनी जीत मानकर आगे बढ़ूंगा। एक बार फिर आप सभी का दिल से धन्यवाद। रजत की हार पर उनकी करीबी दोस्त और बिग बॉस की सह–कंटेस्टेंट पवित्रा पुनिया ने इंस्टाग्राम पर कमेंट करते हुए उन्हें विजेता बताया। बिग बॉस के घर में रजत का सपोर्ट करने आए एल्विश यादव भी उनकी हार से दुखी थे और उन्होंने कमेंट में ब्रोकन हार्ट इमोजी शेयर किया। एक अन्य व्यक्ति ने कहा, ष्रजत ने भले ही ट्रॉफी न जीती हो, लेकिन उसने सबका दिल जरूर जीत लिया है।

सलमान खान की वजह से बिग बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले में शामिल नहीं हो पाए अक्षय कुमार, एक्टर ने बताया क्यों?

बिग बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की गैर मौजूदगी चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अभिनेता अपनी आने वाली फिल्म स्काई फोर्स के प्रमोशन के लिए ग्रैंड फिनाले के सेट पर पहुंचे थे, लेकिन अपना सेगमेंट शूट किए बिना ही वहां से चले गए। कहा जा रहा था कि सलमान खान की वजह से अभिनेता को बिना शूट किए जाना पड़ा। इस बात के सामने आने के बाद सलमान को ट्रोल किया जा रहा था, जिसपर प्रतिक्रिया देते हुए अक्षय ने पर्दे के पीछे की सच्चाई बताई। दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अक्षय ने इस स्थिति के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि सलमान शनिजी कारणश की वजह से लेट हो रहे थे और उन्हें कहीं जाना था, जिसकी वजह से वह बिना शूट किए ही सेट से चले गए। अभिनेता ने कहा, श्मैं किसी काम से लेट हो रहा था। मैंने सलमान से बात की और वे किसी निजी काम से परेशान थे। उन्होंने मुझे बताया कि वे करीब 40 मिनट देरी से आएंगे। लेकिन मुझे जाना पड़ा क्योंकि मेरे पास पहले से काम था। फिनाले एपिसोड के दौरान, सलमान खान ने उल्लेख किया था कि अक्षय को जाना पड़ा क्योंकि उन्हें एक और कार्यक्रम में भाग लेना था। पहले अक्षय और वीर पहारिया साथ मिलकर अपनी फिल्म का प्रचार करने वाले थे। लेकिन अक्षय के जाने के बाद वीर ने अकेले अपनी फिल्म का प्रचार किया। बता दें, अक्षय को जॉली एलएलबी 3 की टेस्ट स्क्रीनिंग में शामिल होना था, इसीलिए उन्हें बिग बॉस 18 के ग्रैंड फिनाले में अपने हिस्से का शूट किए बिना ही जाना पड़ा।

फिर टली दिलजीत दोसांझ की विवादित फिल्म पंजाब '95 की रिलीज, गायक ने दी जानकारी

गायक–अभिनेता दिलजीत दोसांझ की आगामी फिल्म पंजाब '95 लंबे समय से भारत में रिलीज होने का इंतजार कर रही है। यह फिल्म कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा के जीवन और मृत्यु पर आधारित है, जो 7 फरवरी को वैश्विक स्तर पर रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब इसकी रिलीज टल गयी है। सोमवार को, दिलजीत और अन्य कलाकारों ने इस बात की घोषणा की कि उनकी फिल्म तय समय पर रिलीज नहीं होगी। सोमवार देर रात इंस्टाग्राम स्टोरीज पर दिलजीत ने एक नोट लिखकर इसकी जानकारी दी। गायक ने लिखा, श्हमें खेद है और हमें आपको यह बताते हुए दुख हो रहा है कि हमारे नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण फिल्म पंजाब श्95 7 फरवरी को रिलीज नहीं होगी।श इसी के साथ उन्होंने अपनी एक अन्य स्टोरी में दिवंगत खालरा की एक तस्वीर भी साझा की, जिसपर उनका एक उद्धरण लिखा था। इस तस्वीर पर लिखा श्मैं सत्य को पहचानने वाले गुरु से प्रार्थना करता हूं कि वे इस ज्योति को जलाए रखेंश था। हनी त्रेहान द्वारा निर्देशित और रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित पंजाब श्95 में अर्जुन रामपाल, सुविंदर विक्की, वरुण बडोला और गीतिका विद्या ओहलान भी हैं। यह फिल्म लगभग तीन वर्षों से विवादों में घिरी हुई है, जब से इसे प्रमाणन के लिए सीबीएफसी को प्रस्तुत किया गया था।

शीर्षक में बदलाव और 120 कट

2022 में, पंजाब '95, जिसे तब घलुघारा नरसंहार के बाद घलुघारा नाम दिया गया था, को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड को प्रस्तुत किया गया था। हालाँकि, सीबीएफसी ने फिल्म में 120 कट लगाए और शीर्षक पर आपत्ति जताई। आखिरकार, शीर्ष सिख धार्मिक निकाय, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (SGPC) ने हस्तक्षेप किया, और सीबीएफसी ने कटों के साथ नरमी बरती, लेकिन शीर्षक को अभी भी बदलने के लिए कहा।

सैफ अली खान पर हमला करने वाला शहजाद निकला कुश्ती का खिलाड़ी

अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के आरोपी शहजाद को लेकर नए–नए खुलासे हो रहे हैं। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था। आरोपी के अनुसार वह जिला के साथ ही नेशनल स्तर पर भी कुश्ती लड़ चुका है। आरोपी शहजाद ने पुलिस को बताया की वो बांग्लादेश में कुश्ती का खिलाड़ी था और कम भार वर्ग में कुश्ती खेलता था। आरोपी जिला स्तर और नेशनल चौंपियनशिप में अपना दम खम दिखाता था। कुश्ती का खिलाड़ी होने की वजह से वह सैफ अली खान पर हमला करने में कामयाब रहा। आरोपी शहजाद को लेकर मुंबई क्राइम ब्रांच ने यह भी बताया कि सैफ पर हमले के बाद उसने 3 से 4 बार अपने कपड़े बदले थे। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी लगातार घूम रहा था। वह बांद्रा स्टेशन गया। वहां से दादर,वर्ली, अंधेरी और फिर ठाणे चला गया। क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपी शहजाद पिछले साल सितंबर महीने में मुंबई आया था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी मोहम्मद शहजाद ने सैफ अली खान के घर में घुसने से पहले कई मशहूर हस्तियों के घरों की रेकी की थी। आरोपी रिक्शा चालक से हस्तियों के घरों के बारे में जानकारी लेता था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ने रिक्शा चालक से बांद्रा इलाके में रहने वाली हस्तियों के घर के बारे में जानकारी हासिल की थी। आरोपी ने शाहरुख खान–सैफ अली के अलावा अन्य कई हस्तियों के घर की रेकी की थी। 30 वर्षीय आरोपी शहजाद को पुलिस ने रविवार सुबह ठाणे शहर से पकड़ा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शहजाद को रविवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में खान के घर से करीब 35 किलोमीटर दूर ठाणे के कासरवदावली में हीरानंदानी एस्टेट के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने ठाणे के एक जंगली इलाके में एक श्रमिक शिविर में शहजाद का पता लगाया। सूत्रों के अनुसार, ष्शहर में सात घंटे तक चले तलाशी अभियान के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। अदालत ने आरोपी को पांच दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा है।

ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए ट्राई करें ये कश्मीरी स्टाइल सूट, हर कोई करेगा ड्रेसिंग सेंस की तारीफ

पार्टी से लेकर ऑफिस तक में न्यू लुक पाने के लिए महिलाएं अक्सर सूट पहनना पसंद करती हैं। सूट में कई तरह की डिजाइंस और पैटर्न देखने को मिल जाते हैं। जिनको आप कई खास मौकों पर स्टाइल कर सकती हैं। लेकिन अगर आप किसी खास इवेंट पर न्यू और स्टाइलिश लुक पाना चाहती हैं, तो आपको कश्मीरी स्टाइल वाले सूट कैरी करने चाहिए। इस तरह के सूट पहनने के बाद काफी अच्छे लगते हैं और आपको बेहद खूबसूरत लुक मिलता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ कश्मीरी स्टाइल वाले सूट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको कैरी करने के बाद आपके लुक में चार चांद लग जाएंगे।

फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट

न्यू लुक पाने के लिए इस तरह के सूट बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकते हैं। फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी वर्क सूट में आपका लुक बेहद खूबसूरत नजर आएगा। इस सूट में फ्लोरल डिजाइन में एम्ब्रॉयडरी वर्क किया है। इस सूट में पेंट स्टाइल में सलवार है, जो आपके लुक को स्टाइलिश बनाने का काम करेगा। इस तरह के सूट के साथ नेट का दुपट्टा या शॉल कैरी कर सकती हैं। मार्केट में आपको 2,000 रुपए तक में इस तरह का सूट मिल जाएगा। वहीं आप इस सूट के साथ बालों में बन बना सकती हैं और ज्वेलरी में झुमकी कैरी कर सकती हैं। एम्ब्रॉयडरी सूट में आपको तमाम तरह के ऑप्शन मिल जाएंगे। इसमें आपको सिंपल डिजाइन वाला सूट भी मिल जाएगा। लेकिन इस तरह के सिंपल सूट में जो दुपट्टा है, उसमें एम्ब्रॉयडरी की गई है। यह आपके लुक को स्टाइलिश बनाएगा और आप इसको ऑफिस या फिर किसी खास इवेंट में कैरी कर सकती हैं।

सीक्विन वर्क कश्मीरी सूट

अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आप इस तरह के सीक्विन वर्क कश्मीरी सूट भी ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आपको कई तरह के कलर और डिजाइन मिल जाएंगे। इस सूट को आप किसी पार्टी या फिर शादी आदि में स्टाइल कर सकती हैं। आप मार्केट से इस तरह के सूट 1,500 से 3,000 तक में खरीद सकती हैं। इसके साथ आप मिरर वर्क वाली ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं। वहीं फुटवियर में आप कस्टमाइज्ड जूती वियर कर सकती हैं।

प्रिंटेड कश्मीरी सूट

बता दें कि न्यू लुक पाने के लिए यह प्रिंटेड कश्मीर सूट भी बेस्ट है। इस सूट में आपका लुक सबसे अलग नजर आएगा। ऑफिस या किसी पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह का सूट वियर कर सकती हैं। वहीं आप मार्केट या फिर ऑनलाइन भी इस तरह के सूट सस्ते दामों पर ले सकती हैं। प्रिंटेड कश्मीरी सूट के साथ आप सिंपल ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं और फुटवियर में फ्लैट्स कैरी कर सकती हैं। प्रिंटेड सूट में आप व्हाइट कलर के कश्मीरी सूट भी स्टाइल कर सकती हैं। यह न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट ऑप्शन है। वहीं आप इसमें ग्रीन कलर के प्रिंटेड सूट का भी चुनाव कर सकती हैं। इस तरह के सूट में आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन मिल जाएंगे। जिनको आप खास मौके पर स्टाइल कर अपने लुक को बेस्ट बना सकती हैं।

छोटी संतान को ज्यादा प्यार करते हैं माता–पिता, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे बच्चों में भेदभाव ?

भले ही अभिभावक अपनी बेटियों और बात मानने वाले बच्चों का पक्ष अधिक लेते हो पर आम तौर पर छोटी संतान ही मां–बाप की अधिक चहेती होती हैं। पारिवारिक गतिशीलता का विश्लेषण करने वाले अध्ययनों की समीक्षा में यह दावा किया गया है। हालांकि, बड़े बच्चों को अक्सर अधिक आजादी दी जाती है क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ माता–पिता कम नियंत्रण वाले हो जाते हैं। लगभग 19,500 प्रतिभागियों पर आधारित 30 अध्ययनों और 14 डेटाबेस की समीक्षा में यह पाया गया।

पक्षपात का शिकार होते हैं कुछ बच्चे

समीक्षा के प्रमुख लेखक और अमेरिका स्थित ब्रिघम यंग विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अलेक्जेंडर जेन्सेन ने कहा– ''दशकों से शोधकर्ता जानते हैं कि माता–पिता के पक्षपातपूर्ण व्यवहार का बच्चों पर स्थायी परिणाम हो सकता है। यह समीक्षा 'साइकोलॉजिकल बुलेटिन पत्रिका में प्रकाशित हुई है। जेन्सेन ने कहा– ''यह अध्ययन हमें यह समझने में मदद करता है कि किन बच्चों को पक्षपात का शिकार होने की अधिक संभावना है, जो सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, माता–पिता का पक्षपात, जिसमें माता–पिता एक बच्चे को दूसरे से अधिक पसंद करते हैं, कई तरीकों से व्यक्त हो सकता है जैसे कि वे बच्चों के साथ कैसे बातचीत करते हैं, उन पर कितना पैसा खर्च करते हैं या उन पर कितना नियंत्रण रखते हैं।

बेटियों का ज्यादा पक्ष लेते हैं माता– पिता

अलग–अलग व्यवहार से विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है खासकर कम पसंदीदा बच्चे पर। इसके अलावा इससे तनावपूर्ण पारिवारिक रिश्ते भी पैदा हो सकते हैं। माता और पिता, दोनों के ही बेटियों का पक्ष लेने की अधिक संभावना रहती है। लेखकों ने लिखा– ''माता–पिता ने बेटियों का पक्ष लेने की सूचना दी। टीम ने कहा कि इसके अलावा जो बच्चे अधिक कर्तव्यनिष्ठ (जिम्मेदार) और आज्ञकारी थे उन्हें भी तरजीह दी गई, जिससे पता चला कि माता–पिता के लिए इन बच्चों को संभालना आसान हो सकता है और इसलिए वे उनके प्रति अधिक सकारात्मक रुख अपना सकते हैं।

हर बच्चे को है प्यार की जरूरत

लेखकों ने लिखा– ''कर्तव्यनिष्ठ और आज्ञाकारी बच्चों को भी अधिक पसंदीदा व्यवहार मिला। उन्होंने कहा कि जब जन्म क्रम आधारित औसत की बात आती है, तो छोटे भाई–बहनों को कुछ हद तक तरजीह मिलती है। जेन्सेन के अनुसार, माता–पिता के बड़े भाई–बहनों को अधिक स्वायत्तता देने की संभावना रहती है, संभवतः इसलिए क्योंकि वे अधिक परिपक्व थे। ''इन बारीकियों को समझने से माता–पिता और चिकित्सकों को संभावित रूप से हानिकारक पारिवारिक पैटर्न को पहचानने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे प्यार और समर्थन महसूस करें। जेन्सेन ने कहा कि अध्ययन परस्पर संबद्धता पर आधारित है इसलिए यह नहीं बताता कि माता–पिता कुछ बच्चों का पक्ष क्यों ले सकते हैं। हालांकि, यह उन संभावित क्षेत्रों पर प्रकाश डालता है जहां माता–पिता को अपने बच्चों के साथ बातचीत के प्रति अधिक सचेत रहने की आवश्यकता हो सकती है।

असली के नाम पर कहीं आप भी तो नहीं खा रहे नकली दवाई, पहले पहचानें फिर खरीदें

आजकल क्या असली है क्या नकली है यह पहचानना बेहद मुश्किल हो गया है। घी, दूध, पनीर के बाद अब तो दवाइयां भी नकली बिक रही है। यानी कि दवाई का सेवन करने के बाद आपको इसका फायदा मिलेगा या नहीं यह कहना बेहद मुश्किल है। एक अध्ययन के मुताबिक देश में बिकने वाली करीब 25 फीसदी दवाएं नकली हैं। फर्जी कंपनियों द्वारा नामी कंपनियों के लेबल की नकल कर इन दवाओं की बाजार में सप्लाई की जा रही है।

सैंपल लैब टेस्ट में फेल हुई कई दवाएं

सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (सीडीएससीओ) की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि आम बुखार की दवा पैरासिटामोल सहित 53 दवाएं ऐसी हैं जिनके सैंपल लैब जांच में फेल हुए, दवाओं के नाम पर सब–स्टैंडर्ड सॉल्ट बेचे जा रहे हैं। क्वालिटी टेस्ट में फेल हुए दवाओं में पेनकिलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल दवा फ्लुकोनाजोल, विटामिन डी सप्लीमेंट, बीपी और डायबिटीज की दवा, एसिड रिफलक्स आदि शामिल थी। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्लूएचओ) का दावा है कि दुनिया में नकली दवाओं का कारोबार 200 बिलियन डॉलर यानी करीब 16,60,000 करोड़ रुपये का है।

नकली दवाएं स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा

नकली दवाएं आवश्यक सक्रिय तत्वों से रहित होती हैं या उनमें गलत मात्रा में ये तत्व होते हैं, जिससे रोगी को सही इलाज नहीं मिल पाता। नकली एंटीबायोटिक्स का उपयोग रोगों के प्रति रोग प्रतिरोधकता बढ़ा सकता है, जिससे भविष्य में इलाज मुश्किल हो जाता है। कुछ मामलों में, नकली दवाओं का सेवन मौत का कारण बन सकता है, खासकर अगर रोगी को तत्काल और सही उपचार की आवश्यकता हो। नकली दवाएं न केवल स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकती हैं बल्कि वे आर्थिक दृष्टि से भी समाज पर गंभीर प्रभाव डालती हैं।

ऐसे करें असली नकली की पहचान

असली और नकली दवाई की पहचान करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण संकेतों का ध्यान रखना आवश्यक है। जैसे की असली दवाओं की पैकेजिंग आमतौर पर उच्च गुणवत्ता वाली होती है, जबकि नकली दवाओं की पैकेजिंग में स्पेलिंग मिस्टेक, धुंधली प्रिंटिंग या कमजोर सामग्री का उपयोग हो सकता है। पैकेजिंग पर ब्रांड लोगो, मैन्युफैक्चरिंग डेटऔर एक्सपायरी डेट ध्यान से देखें। किसी भी तरह की गलत जानकारी से सतर्क रहें।

इन बातों का भी ध्यान रखें

कई कंपनियां अपनी दवाओं की प्रामाणिकता की पुष्टि के लिए क्यूआर कोड या होलोग्राम लगाती हैं। फत कोड को स्कैन करके आप दवा की प्रामाणिकता की जांच कर सकते हैं। नकली दवा की बनावट में अंतर हो सकता है, जैसे कि बदलता रंग, गोलियों का असमान आकार या पाउडर की गुणवत्ता में कमी। अगर दवा लेने के बाद कोई असर नहीं हो रहा है या अचानक से दुष्प्रभाव हो रहे हैं, तो यह नकली हो सकती है। तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें और दवा को बंद कर दें।

चमकती त्वचा पाने के लिए चावल के आटे में मिला लें यह एक चीज फिर देखें चमत्कार, पहले इस्तेमाल से दिखेंगा ग्लो

पुरुष हो या महिला हर किसी को बेदाग त्वचा की चाहत रहती है। हर किसी को क्लियर स्किन जरुर चाहिए। आजकल की खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान की वजह स्किन प्रॉब्लम देखने को मिलते है। कई महंगे–महंगे स्किन प्रोडक्ट्स और स्किन केयर सब ट्राई कर लिया लेकिन मनचाह रिजल्ट भी नहीं मिला। इसलिए आप नेचुरल चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। चावल का आटा स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है और स्किन केयर में इसका काफी यूज किया जाता है। इसके प्रयोग से आप कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है।

पिंपल के दाग को साफ करता है

अगर आप मुहांसों के दाग को साफ करना चाहते हैं, तो आप कैस्टर ऑयल में फैटी एसिड, एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन ई होता है जो स्किन की मरम्मत करने और दाग–धब्बों को मिटाने में मदद करता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए आपको चाहिए ऑर्गेनिक अरंडी का तेल और 2 बड़े चम्मच चावल का आटा। इसे फेस पैक को बनाने के लिए चावल के आटे में तेल मिला लें। फिर इस पोस्ट को मुहांसे के दाग पर लगाकर धीरे–धीरे मालिश करें। 30 मिनट बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।

डार्क सर्कल होंगे दूर

डार्क सर्कल से छुटकारा पाने के लिए आपको चाहिए चावल में एक चुटकी हल्दी और टमाटर का रस मिलाएं। अब आप चावल के आटे और हल्दी का फेस पैक अपने काले घेरों पर लगाएं और 10 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। इन तीन चीजों में त्वचा को चमकदार बनाने के गुण होते हैं।

हाइपरपिगमेंटेशन की दिक्कत भी होगी दूर

हाइपरपिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने के लिए चावल का आटा खूब काम आ सकता है।इस फेस पैक को बनाने के लिए नींबू और चावल के आटे का इस्तेमाल करें। दोनों चीजों मिलाने के बाद गुलाब जल की कुछ बूंदें मिलाएं और फिर पैक को अपने चेहरे और गर्दन पर लगाएं। इसे ठंडे पानी से धोने से पहले 20 मिनट तक लगा रहने दें।

संक्षिप्त

डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को दिखाया तेवर, कहा– कारोबार के लिए अलग मुद्रा लाए तो भुगतोगे अंजाम

मुंबई, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डॉलर के मुद्दे पर सोमवार को ब्रिक्स देशों को एक बार फिर चेताया। उन्होंने कहा है कि संगठन का हिस्सा बनने वाले देशों को अमेरिका के साथ व्यापार पर 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ेगा यदि वे अपनी नीतियों में डॉलर से दूर होने और अपनी अलग मुद्रा लाने की कोशिशों को जारी रखते हैं।

डॉलर के उपयोग में कमी का जिक्र कर ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को चेताया

ओवल ऑफिस में अपने हस्ताक्षर समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''एक ब्रिक्स राष्ट्र के रूप में... अगर वे ऐसा सोचते भी हैं तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, और इसलिए वे इसे तुरंत छोड़ने के लिए बाध्य होंगे।'' वैश्विक व्यापार में डॉलर के उपयोग में कमी का जिक्र करते हुए उन्होंने यह बात कही।

कहा– उनका बयान धमकी नही,अमेरिका का स्पष्ट रुख

ट्रंप ने कहा कि उनके बयान को धमकी के रूप में नहीं बल्कि इस मुद्दे पर एक स्पष्ट रुख के रूप में देखा जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस मामले में अपने पूर्ववर्ती बाइडन की टिप्पणियों का भी संदर्भ दिया। बाइडन ने संकेत दिया था कि अमेरिका इस मामले में कमजोर स्थिति में है। ट्रंप ने इस पर असहमति जताई और जोर देकर कहा कि अमेरिका का ब्रिक्स देशों पर प्रभाव है और वे अपनी योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा पाएंगे।

ट्रंप बोले– अगर ब्रिक्स देशों ने डॉलर को छोड़ा तो हम 100: टैरिफ लगाएंगे

ट्रंप ने कहा, अगर ब्रिक्स देश ऐसा करना चाहते हैं, तो ठीक है, लेकिन हम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनके व्यापार पर कम से कम 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे हैं... यह कोई धमकी भी नहीं है। ट्रंप ने कहा कि ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे वे ऐसा कर पाएं।

ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने से पहले, ब्रिक्स देशों को सभी आयातों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, अगर वे व्यापार के लिए अपनी अलग मुद्रा लॉन्च करने की हिम्मत करते हैं। ट्रंप की यह प्रतिक्रिया ब्रिक्स देशों की ओर से वैश्विक वित्तीय प्रणाली में डॉलर के प्रभुत्व को कम करने के लिए इसे एक नई वैश्विक मुद्रा के साथ बदलने के प्रयास की खबरों पर आई है।

पुतिन की ओर से डी–डॉलराइजेशन के आह्वान पर ट्रंप का निशाना

2023 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने डी–डॉलराइजेशन का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि ब्रिक्स देशों को राष्ट्रीय मुद्राओं में निपटान का विस्तार करना चाहिए और बैंकों के बीच सहयोग बढ़ाना चाहिए। जून 2024 में, ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने रूस के निजनी नोवगोरोड में मुलाकात की थी और सदस्य देशों के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार और वित्तीय लेन–देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ाने का आह्वान किया था।

अब गो फर्स्ट नहीं भरेगी उड़ान, संपत्तियां बेचकर चुकाएगी कर्ज; 54 विमानों का पंजीकरण रद्द

जेट एयरवेज के बाद वित्तीय संकट में फंसी विमानन कंपनी गो फर्स्ट भी अब उड़ान नहीं भर सकेगी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को 17 साल तक करोड़ों लोगों को हवाई सफर कराने वाली गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर कर्ज चुकानी होगी। वित्तीय समस्याओं के कारण विमानन कंपनी ने मई, 2023 में स्वैच्छिक रूप से दिवालिया समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। गो फर्स्ट का परिचालन तीन मई, 2023 यानी करीब दो साल से बंद है। एनसीएलटी ने 15 पन्नों के आदेश में कहा, वह कंपनी गो एयरलाइंस (इंडिया) लि. के परिसमापन का आदेश दे रहा है। अब कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) को अपने गठन के बाद और समाधान योजना की पुष्टि से पहले किसी भी समय गो फर्स्ट के परिसमापन का निर्णय लेने का अधिकार है। एनसीएलटी ने कहा, कॉरपोरेट देनदार के परिसमापन के प्रस्ताव को सीओसी ने 100 फीसदी वोटिंग के साथ मंजूरी दी थी। इसलिए, सीओसी के वाणिज्यिक विवेक में हस्तक्षेप करने की कोई योग्यता नहीं दिखती है। इससे दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर, 2024 को दिवालिया कार्यवाही मामले में बड़ा फैसला देते सुनाते हुए जेट एयरवेज के परिसमापन का आदेश दिया था। जेट एयरवेज ने आखिरी बार अप्रैल, 2019 में उड़ान भरी थी। एनसीएलटी ने दिनकर तिरुवनंदपुरम वेंकटसुब्रमण्यम को परिसमापक (लिक्विडेटर) नियुक्त किया है, जिन्हें कॉरपोरेट देनदार के वित्तीय मामलों की जांच जारी रखने के लिए कहा गया है। आदेश के मुताबिक, परिसमापक को परिसमापन प्रक्रिया के दौरान उनके निपटान के लिए लंबित आवेदनों का भी पालन करना होगा। परिसमापन को 75 दिन के भीतर एनसीएलटी को एक प्रारंभिक रिपोर्ट देनी होगी। दिवालिया समाधान प्रक्रिया के दौरान कम–से–कम दो बोलीदाता स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह के साथ बिजी बी एयरवेज और शारजाह स्थित विमानन कंपनी स्काई वन सामने आए थे। यात्रा पोर्टल ईजमाईट्रिप के सह–संस्थापक निशांत पिट्टी बिजी बी एयरवेज में बहुलांश शेयरधारक हैं। हालांकि, कर्ज समाधान प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके बाद एनसीएलटी ने गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है।

54 विमानों का पंजीकरण रद्द

दिवालिया प्रक्रिया के दौरान नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का पंजीकरण भी रद्द कर दिया। विमानन कंपनी ने 2005–06 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए पहली उड़ान के साथ घरेलू परिचालन शुरू किया था। 2018–19 में अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू की थी।

मोहम्मद शमी की वापसी पर रहेंगी नजरें, वॉशिंगटन और नीतीश में से किसे मिलेगा मौका ?

कोलकाता। भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार को कोलकाता के ईडेन गार्डेंस पर पांच मैचों की सीरीज का पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच से अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भारतीय टीम में वापसी करेंगे जो वनडे विश्व कप 2023 के बाद से टीम से बाहर चल रहे थे। शमी ने घरेलू क्रिकेट में खेलकर अपनी मैच फिटनेस साबित की है और अगर सबकुछ योजना के अनुसार रहा तो शमी का प्लेइंग–11 में जगह बनाना पक्का है।

भारत को हराना नहीं आसान

टी20 प्रारूप में भारत को हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता है। हालांकि, भारतीय टीम के खिलाफ इस प्रारूप में जीत हासिल करने में इंग्लैंड का कोई तोड़ नहीं है। शीर्ष टीमों में इंग्लैंड ऐसी टीम है जिसका भारत के खिलाफ जीत प्रतिशत सबसे ज्यादा है। इंग्लैंड ने 24 में से 11 बार भारतीय टीम के खिलाफ जीत दर्ज की है और उसका जीत प्रतिशत 45.80 प्रतिशत है जो अन्य टीमों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड का जीत का प्रतिशत भी भारत के खिलाफ बेहतर है। ओवरऑल बात करें तो किसी भी टीम के लिए भारत को उसकी जमीन पर हराना आसान नहीं है। टी20 में भारत पिछले कुछ समय से अजेय चल रहा है।

कोलकाता में भारत को इंग्लैंड से मिली है हार

कोलकाता का ईडेन गार्डेंस कई ऐतिहासिक जीत का गवाह रहा है और टी20 में यह भारत के लिए लकी ग्राउंड है। भारत ने इस मैदान पर अबतक सात टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं जिसमें छह में उसे जीत मिली है, जबकि एक मैच गंवाया है। दिलचस्प बात यह है कि भारत को इस मैदान पर एकमात्र टी20 हार इंग्लैंड से ही मिली है। इंग्लैंड ने 2011 में खेले गए मैच में भारत को हराया था। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम के पास अब इंग्लैंड को हराने का अवसर रहेगा।

संजू–अभिषेक करेंगे ओपनिंग

पिछले साल टी20 विश्व कप में खिताब जीत के बाद इस

प्रारूप में टीम में कई बदलाव हुए हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास और शुभमन गिल के बाहर रहने से शीर्ष क्रम बदला नजर आया है। पिछले कुछ सीरीज से संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ओपनिंग करने उतर रहे हैं और इंग्लैंड के खिलाफ भी यही जोड़ी पारी का आगाज करने उतर सकती है। वहीं, कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे और तिलक वर्मा चौथे स्थान पर उतरते दिखाई दे सकते हैं जैसा पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में देखने मिला था।

बिश्नोई पर वरुण को मिल सकती है प्राथमिकता

मौजूदा भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ–साथ कई युवा खिलाड़ी भी हैं। बल्लेबाजी क्रम में स्थिति काफी हद तक स्पष्ट है, लेकिन गेंदबाजी में कई विकल्प मौजूद हैं। ऐसे में सही संयोजन चुनना टीम प्रबंधन के लिए चुनौती होगी। शमी के साथ अर्शदीप सिंह तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे। स्पिनर के तौर पर टीम के पास अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई हैं। वरुण कोलकाता की पिच से अच्छी तरह परिचित हैं, ऐसे में टीम प्रबंधन बिश्नोई की जगह वरुण को चुन सकता है जिन्होंने पिछली दो सीरीज में प्रभावित भी किया है। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर की जगह नीतीश रेड्डी को मौका मिल सकता है जो बल्लेबाजी के साथ–साथ मध्यगति की तेज गेंदबाजी कर सकते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन अगर नीतीश को चुनता है तो उसके पास शमी, अर्शदीप, नीतीश और हार्दिक के रूप में चार तेज गेंदबाज होंगे, जबकि स्पिन विभाग में जिम्मा अक्षर और वरुण संभालेंगे। भारत के पास हार्दिक, अक्षर और नीतीश के रूप में तीन ऑलराउंडर शामिल हैं जो निचले क्रम पर उपयोगी योगदान दे सकते हैं। नीतीश ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शतक लगाकर अपनी क्षमता साबित की थी और अब उनके पास टी20 में भी प्रभावित करने का मौका होगा।

पहले टी20 मुकाबले के लिए भारत और इंग्लैंड की टीमें इस प्रकार है...

भारत की संभावित प्लेइंग–11: संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल (उपकप्तान), अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती।

इंग्लैंड की घोषित प्लेइंग–11: बेन डकेत, फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), जोस बटलर (कप्तान), हैरी ब्रूक (उपकप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जैमी ओवरटन, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

बीसीसीआई के नए नियम पर इंग्लैंड के कप्तान बटलर ने दी प्रतिक्रिया, बोले – परिवार का समर्थन जरूरी

कोलकाता, एजेंसी। इंग्लैंड के सीमित ओवर टीम के कप्तान जोस बटलर ने विदेशी दौरों के दौरान परिवार के साथ को जरूरी बताया और कहा कि इससे मानसिक और भावुक समर्थन मिलता है। बटलर का बयान ऐसे समय सामने आया है जब हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारतीय खिलाड़ियों के लिए विदेशी दौरे को लेकर नई नीति बनाई है जिसमें 45 दिन के दौरे पर टीम का परिवार दो सप्ताह तक ही उनके नाम साथ रह सकता है। परिवार की उपस्थिति से मदद मिलती है

भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार को पहला टी20 मुकाबला खेला जाएगा। मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बटलर ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युग में विदेशी दौरे पर परिवार की उपस्थिति अत्यधिक फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के साथ पत्नियों और बच्चों का होना एक मजबूत भावनात्मक आधार प्रदान करता है और कठिन कार्यक्रम के दौरान उनके मानसिक स्वास्थ्य में सहायता करता है। बटलर ने कहा, यह काफी भारी सवाल है। यह अहम है। हम आधुनिक जगत में रह रहे हैं और दौरों पर परिवार का साथ रहना बहुत अच्छा है। आजकल इतना क्रिकेट खेला जा रहा है और खिलाड़ी घर से बाहर काफी समय बिताते हैं। कोरोना के बाद इस पर काफी चर्चा भी हुई है। मुझे नहीं लगता कि परिवार के साथ रहने से खेल पर बहुत फर्क पड़ता है। बटलर ने कहा कि परिवार की मौजूदगी से पेशेवर प्रतिबद्धताओं में दखल नहीं पड़ता। उन्होंने कहा, सब संभाला जा सकता है। निजी तौर पर मेरा मानना है कि घर से दूर रहने का बोझ परिवार के साथ रहकर हल्का किया जा सकता है और यह काफी महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई ने क्या दिशानिर्देश बनाए थे?

ऑस्ट्रेलिया में मिली करारी हार के बाद बीसीसीआई ने कड़े फैसले लिए थे जिसमें 45 दिन से अधिक के विदेशी दौरे पर खिलाड़ियों को परिवार को दो सप्ताह तक ही अपने साथ रखने की अनुमति दी गई थी।

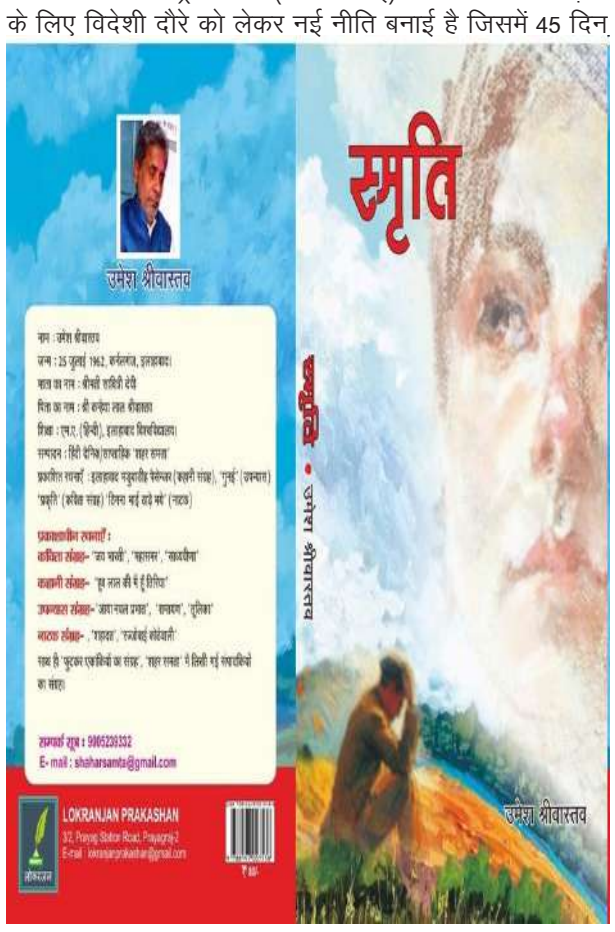

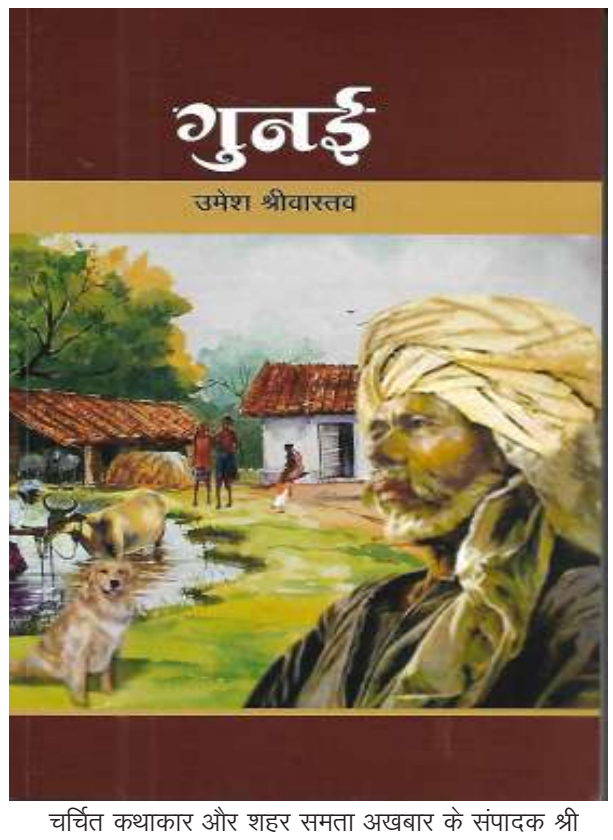

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

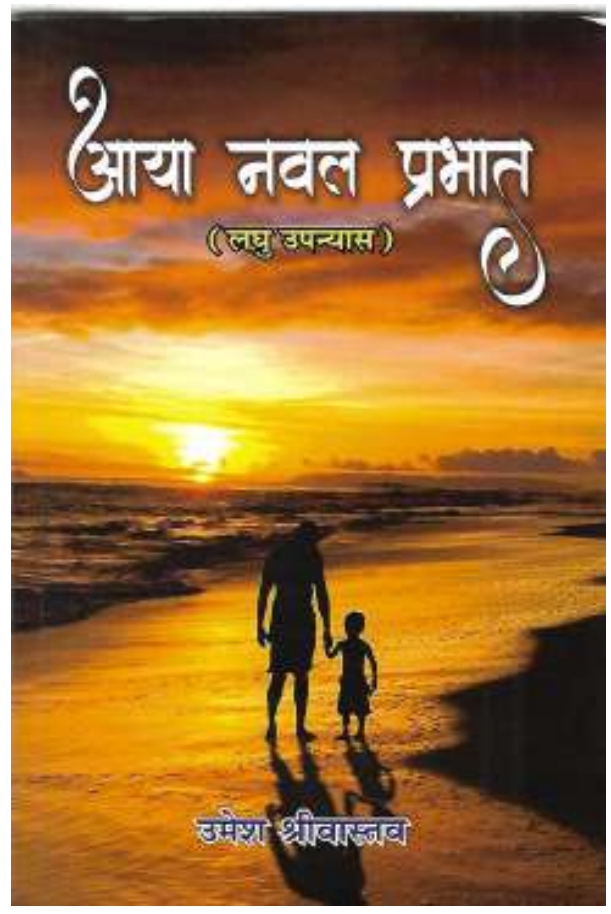

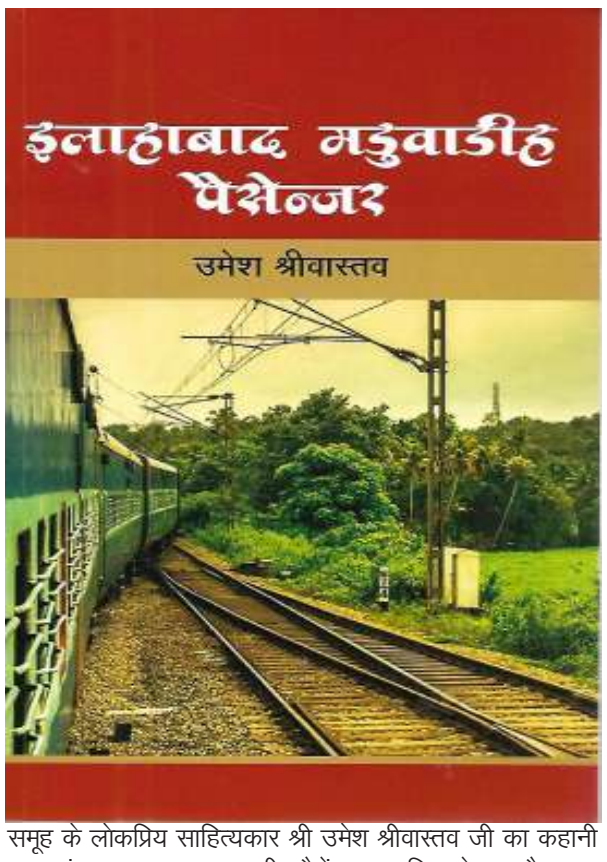

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

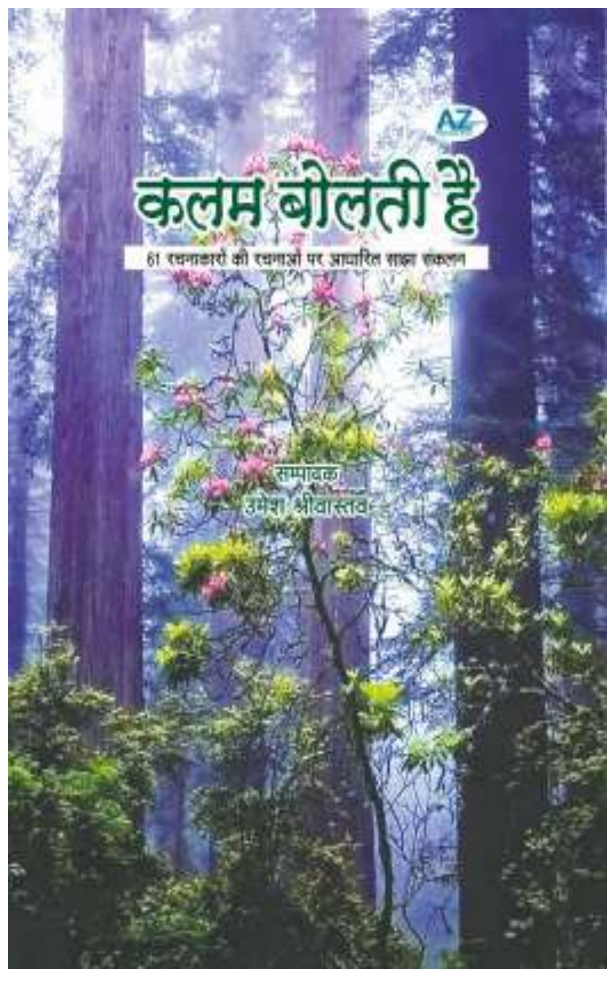

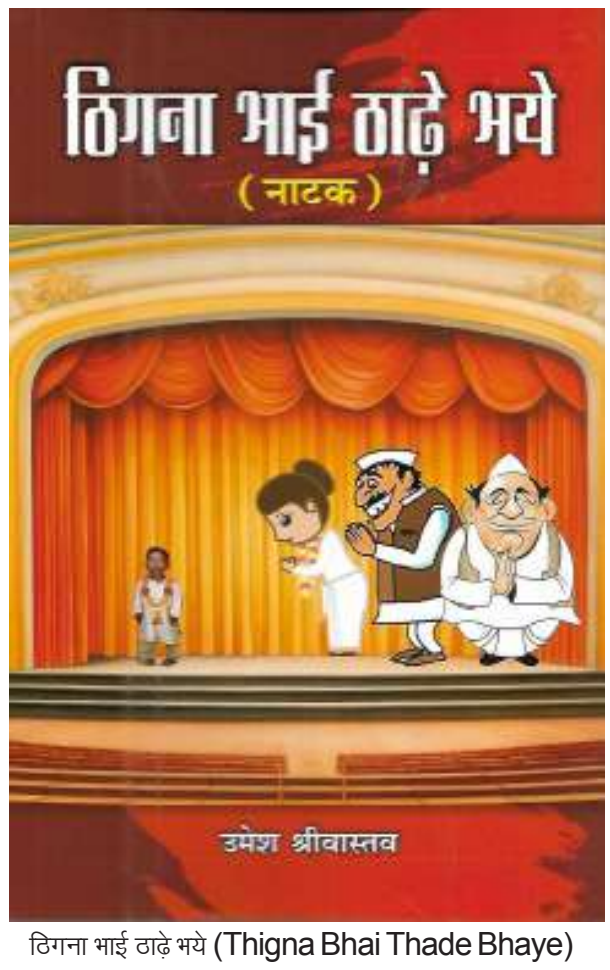

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

आश्रय स्थलों में रह रहे कई फलस्तीनी मलबे में बदल चुके घरों में लौटने के इच्छुक नहीं

रफाह (गाजा पट्टी), एजेंसी। कई फलस्तीनियों का कहना है कि वे युद्ध की वजह से विस्थापित होने के बाद अपने आश्रय स्थलों में रह रहे हैं जिनको छोड़कर गाजा के सबसे दक्षिणी शहर रफाह में अपने पुराने घरों के मलबे में लौटने की उनकी इच्छा नहीं है। विस्थापित हुए हुसैन बरकत ने कहा, ''हम युद्ध विराम के दौरान एक तंबू लगाने के लिए वापस आना चाहते थे। जैसा कि आप देख सकते हैं, यह एक भुतहा शहर बन गया है। यहां पानी नहीं है। कुछ भी नहीं है। यहां तक कि कोई समतल जमीन भी नहीं है, जहां आप रह सकें।'' एसोसिएटेड

प्रेस द्वारा शूट किए गए फुटेज में विस्थापित निवासी हाथों से मलबे में खुदाई करते नजर आ रहे हैं। यूसुफ अल–शरकावी ने अपने पांच बच्चों के लिए कपड़े निकालने के लिए अपने नष्ट हो चुके घर के खंडहरों को छान मारा। बच्चों में उनका नवजात शिशु भी है, जो रात में सर्दियों की ठंड से संघर्ष कर रहा है। रफाह के एक अन्य विस्थापित मोहम्मद अल–बल्लास ने कहा कि पानी और बिजली सहित बुनियादी आवश्यकताओं के बिना रफाह में घर वापस लौटना मुश्किल होगा। ढही हुई इमारतों, मलबे के ढेर और नष्ट हो चुकी सड़कों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि वे अभी अपने आश्रय स्थल में ही रहेंगे क्योंकि उनके पुराने ठिकाने के खंडहरों में तंबू लगाने के लिए भी जगह नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर आप यहां किसी जानवर को बांधने की कोशिश भी करेंगे तो वह भी जिंदा नहीं बचेगा।

तालिबान ने अफगानिस्तान में बंद दो अमेरिकियों को रिहा करने का ऐलान किया

इस्लामाबाद, एजेसी। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने कैदियों की अदला–बदली में दो अमेरिकियों को रिहा करने की सूचना जारी की। काबुल में तालिबान के विदेश मंत्रालय ने दोनों के नाम नहीं बताए, लेकिन कहा कि उन्हें खान मोहम्मद नामक कैदी के बदले में छोड़ा गया है। मोहम्मद को दो दशक पहले पूर्वी अफगानिस्तान के प्रांत नांगरहार में गिरफ्तार किया

गया था और वह कैलिफोर्निया की जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। मंत्रालय ने कहा कि यह अदला–बदली अमेरिका के साथ ''लंबे समय तक चली सकारात्मक बातचीत'' का परिणाम है और संवाद के माध्यम से समस्याओं को हल करने का यह एक अच्छा उदाहरण है। बयान में कहा गया, ''द इस्लामिक अमीरात, अमेरिका द्वारा उठाए गए उन कदमों को सकारात्मक रूप से देखता है जो दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने और विकास में मदद करते हैं।

इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर भूस्खलन और बाढ़ का कहर, 16 लोगों की मौत

इंडोनेशियाई बचावकर्मियों ने मध्य जावा में गांवों को तबाह करने वाली विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के बाद कम से कम 16 शव बरामद किए हैं। अधिकारियों के अनुसार, मूसलाधार बारिश के कारण आई आपदा में नौ लोग लापता हो गए और अनगिनत अन्य विस्थापित हो गए। इस आपदा ने पेकलोंगन रीजेंसी के नौ गांवों को प्रभावित किया, जहां लगातार बारिश के कारण नदियों ने अपने तट तोड़ दिए। अधिकारियों के अनुसार, बढ़ते पानी के साथ कीचड़, चट्टानें और उखड़े हुए पेड़ पहाड़ी बस्तियों में बह गए, जिससे बड़े पैमाने पर विनाश हुआ। नीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख बर्गास कैटर्सासी ने कहा कि मूसलाधार बारिश के कारण नदियाँ अपने किनारों को तोड़ रही हैं, जिससे मध्य जावा प्रांत के पेकालोंगान रीजेंसी में नौ गाँवों में बाढ़ आ गई है, क्योंकि कीचड़, चट्टानें और पेड़ पहाड़ी बस्तियों में गिर गए हैं। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने मंगलवार तक सबसे अधिक प्रभावित पेटुंगक्रियोनो गांव से कम से कम 16 शव निकाले हैं और बचावकर्मी नौ ग्रामीणों की तलाश कर रहे हैं जो कथित तौर पर अभी भी लापता हैं। कैटर्सारी ने कहा कि दस घायल लोग भागने में सफल रहे और उन्हें नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। लगभग अक्टूबर से मार्च तक मौसमी बारिश इंडोनेशिया में अक्सर बाढ़ और भूस्खलन का कारण बनती है, 17,000 द्वीपों का एक द्वीपसमूह जहां लाखों लोग पहाड़ी इलाकों में या उपजाऊ बाढ़ के मैदानों के पास रहते हैं। पिछले महीने, इंडोनेशियाई बचावकर्मियों ने 10 शव बरामद किए थे जो जावा द्वीप के पहाड़ी गांवों में अचानक आई बाढ़ में बह गए थे या टनों मिट्टी और चट्टानों के नीचे दबे हुए थे। अधिकारियों के अनुसार, भूस्खलन, बाढ़ और तेज़ हवाओं ने 172 गाँवों को तबाह कर दिया और 3,000 से अधिक लोगों को अस्थायी सरकारी आश्रयों में भागने के लिए मजबूर कर दिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

राष्ट्रपति पद से विदाई के बाद कैलिफोर्निया के लिए रवाना हुए बाइडन, कहा : 'लड़ाई नहीं छोड़ने वाले'

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति पद से विदा होने वाले जो बाइडन अपने 50 साल से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन को फिलहाल के लिए विराम देते हुए परिवार संग निजी जीवन व्यतीत करने के मकसद से सोमवार को कैलिफोर्निया के लिए रवाना हो गए। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने वादा किया कि 'हम मैदान छोड़ने वाले नहीं हैं'। बाइडन ने अपने उत्तराधिकारी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस उद्घाटन भाषण के बाद काफी देर तक बात नहीं की, जिसमें उन्होंने अपने पूर्ववर्ती सरकार की ओर से लिए गए कई फैसलों को 'पूरी तरह से पलटने' का संकल्प लिया। दोपहर के करीब अंतिम घंटों में कार्यकारी शक्तियों के हस्तांतरण से पहले बाइडन ने ट्रंप का अभिवादन किया, जिन्हें उन्होंने चार साल पहले

सत्ता से बाहर किया था। ट्रंप ने यह मानने से इंकार कर दिया था कि वह 2020 का चुनाव हार गए हैं और 2021 में बाइडन के शपथ ग्रहण के दौरान उन्हें इस प्रकार का सम्मान देने से परहेज किया था। कड़कड़ाती ठंड के बीच बाइडन और उनकी पत्नी जिल ने ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया की अगवानी की और उन्होंने व्हाइट हाउस में पारंपरिक शपथ ग्रहण समारोह के दौरान अभिवादन किया। बाइडन ने ट्रंप से कहा, ''आपका स्वागत है।'' इसके बाद दोनों एक लिमोसिन में सवार हुए और फिर ट्रंप ने अमेरिका के 47 वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। ट्रंप ने बाइडन प्रशासन के काम के बारे में कहा, ''हमारा हालिया चुनाव एक भयानक विश्वासघात को पूरी तरह से पलटने के लिए जनादेश है।'' बाइडन आगे की पंक्ति में भावहीन बैठे थे और सब सुन रहे थे। जैसे ही ट्रम्प ने अपना संबोधन आरंभ किया, व्हाइट हाउस कर्मचारी काम पर लग गए। उन्होंने बाइडन के शेष बचे सामान को हटाना शुरू कर दिया ताकि वे ट्रंप और उनके परिवार को अंदर ले जा सकें। प्रेस कार्यालयों की दीवारें, जो सुबह तक खाली थी, दोपहर होते–होते ट्रंप की ताजा तस्वीरों से सज गईं। संबोधन के बाद नए राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी बाइडन की तरफ गए और उनसे मिले, जो एक हेलीकॉप्टर से संयुक्त बेस एंड्रयूज जाने की तैयारी में थे ताकि वह कर्मचारियों के साथ विदाई कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकें। बाइडन ने कर्मचारियों से कहा, ''हमने जो भी किया... आपके बिना कुछ भी नहीं कर सकते थे।'' उन्होंने कहा, ''कोई भी राष्ट्रपति उस क्षण को नहीं चुन सकता है जब इतिहास बनता है लेकिन उसे उस टीम को चुनने का मौका मिलता है जिसके साथ वह इतिहास बनाता है और हमने दुनिया की सबसे अच्छी टीम को चुना।'' बाइडन ने कर्मचारियों से संपर्क में बने रहने का आग्रह करते हुए कहा, ''हम कार्यालय छोड़ रहे हैं। हम लड़ाई नहीं छोड़ रहे हैं।'' वह ट्रंप के भाषण का मजाक उड़ाते हुए भी दिखे और हंसते हुए कहा, ''हमने आज शपथ ग्रहण में उनका भाषण सुना। हमें बहुत कुछ करना है।'' इसके बाद बाइडन ने 'क्रॉस' का चिह्न बनाया और फिर सभी हंस पड़े। तत्पश्चात बाइडन और उनकी पत्नी नीले और सफेद रंग के विमान में कैलिफोर्निया के सांता यनेज़ के लिए निकल पड़े, जहां उन्होंने परिवार के साथ आराम करने की योजना बनाई है।

चीन या भारत ? शपथ लेने के तुरंत बाद अब ट्रंप का किस देश के दौरे पर जाने का है प्लान, रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा !

अमेरिका में अब ट्रंप काल शुरू हो चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पदभार संभालने के तुरंत बाद चीन या फिर भारत किस देश की यात्रा करने वाले हैं। इसको लेकर अटकलों और खबरों का दौर शुरू हो गया है। कहा जा रहा है कि ट्रंप भारत के दौरे पर आ सकते हैं। शीर्ष सूत्रों के अनुसार, अगले कुछ दिनों में ट्रंप का भारत दौरा तय हो सकता है। वह क्वॉड देशों के प्रमुखों की मीटिंग में भाग लेने भारत आ सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का अमेरिका में क्वॉड देशों के विदेश मंत्रियों के साथ हुई मीटिंग में ट्रंप के संभावित दौरे को लेकर चर्चा की गई। माना जा रहा है कि ट्रंप पद संभालने के कुछ दिनों वाद अहम देशों के दौरे पर निकल सकते हैं। खबरों के अनुसार, वे पद संभालने के 100 दिनों के अंदर चीन का भी दौरा कर सकते हैं। पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने एकबार भी चीन का दौरा नहीं किया था। अगर ट्रंप अप्रैल में भारत आते हैं तो यह उनका दूसरा भारत दौरा होगा। अपने पहले कार्यकाल में वह भारत के दौरे पर आए थे। जानकारों

के अनुसार, ट्रंप प्रशासन पीएम नरेन्द्र मोदी के भी अमेरिकी दौरे की संभावना को लेकर संपर्क में है।

100 दिनों के भीतर चीन का दौरा

मीडिया रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि वो बीजिंग के साथ अपने संबंधों को सुधारने के प्रयास में पदभार संभालने के बाद चीन की यात्रा करना चाहते हैं। बता दें कि ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान चीनी आयात पर नया टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। साथ ही बीजिंग को उन उत्पादों पर नकेल कसने के लिए भी कहा था जिनका इस्तेमाल मैक्सिकन कार्टेल फेंटनाइल एक प्रकार का ड्रग बनाने के लिए प्रमुख सामग्री के रूप में करते हैं। अमेरिका के प्रमुख अखबार वाल स्ट्रीट जनरल की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने अपने सलाहकारों से कहा कि वो पद संभालने के बाद चीन की यात्रा करना चाहते हैं। उन्होंने अपने चुनाव अभियान के दौरान चीनी आयात पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। उनके इस बयान पर जिनपिंग ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में चीन के साथ तनावपूर्ण संबंधों में सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं।

पीएम मोदी बोले, मेरे प्रिय मित्र को बधाई

पीएम नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप को बधाई दी। एक्स पर लिखा, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को यूएस के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर बधाई। मैं दोनों देशों को लाभ पहुंचाने और दुनिया के बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए एक बार फिर साथ मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ट्रंप के लिए पीएम मोदी का पत्र लेकर शपथ ग्रहण में गए हैं।

ट्रंप शपथ समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है : विदेश मंत्री जयशंकर

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रुप में डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ ले ली है। डोनाल्ड ट्रंप ने शानदार समारोह में शपथ लेने के बाद ताबडतोड़ तरीके से काम करना शुरू कर दिया है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अब अमेरिका का स्वर्णिम युग शुरू होने जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करना उनके लिए बड़े सम्मान की बात है। एक्स पर

उद्घाटन समारोह की तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा, आज वाशिंगटन डीसी में /POTUS राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रम्प और /VP उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उद्घाटन समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करना एक बड़ा सम्मान है। राष्ट्रपति ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के अवसर पर उनकी उपस्थिति भारत–अमेरिका संबंधों और दोनों देशों के बीच वैश्विक कूटनीतिक संबंधों के महत्व को रेखांकित करती है। इससे पहले दिन में, डोनाल्ड ट्रम्प ने वाशिंगटन डीसी में यूएस कैपिटल में संयुक्त राज्य अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। अमेरिकी मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने ट्रम्प को शपथ दिलाई। ट्रम्प के शपथ ग्रहण से पहले, जेडी वेंस ने 50वें अमेरिकी उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। शपथ लेने के बाद ट्रम्प ने घोषणा की कि अमेरिका का ष्स्वर्ण युगष शुरू हो गया है और आज का दिन देश के लिए श्मुक्ति दिवसश है। 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति ने देश में मुद्रास्फीति पर भी बात की तथा अपने पुराने नारे श्ड्रिल बेबी ड्रिलश को दोहराया, जो तेल के लिए ड्रिलिंग के उनके वादे को संदर्भित करता है। ट्रम्प ने कहा, ष्मुद्रास्फीति संकट अत्यधिक व्यय और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के कारण हुआ था, और इसीलिए आज मैं राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल की भी घोषणा करूंगा। हम ड्रिल करेंगे, बेबी, ड्रिल करेंगे। लॉस एंजिल्स में लगी आग का जिक्र करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रशासन की प्रतिक्रिया की आलोचना की और इस बात पर जोर दिया कि ऐसा होने की इजाजत नहीं दी जा सकती। ट्रंप ने कहा, हाल ही में लॉस एंजिल्स में आग लगी है, जहां हम अभी भी दुखद रूप से जलते हुए देख रहे हैं। कुछ सप्ताह पहले बिना किसी सुरक्षा उपाय के, यह घरों और समुदायों में फैल रही है, यहां तक कि हमारे देश के कुछ सबसे धनी और सबसे शक्तिशाली व्यक्तियों को भी प्रभावित कर रही है, जिनमें से कुछ अभी यहां बैठे हैं। उनके पास अब घर नहीं है, यह दिलचस्प है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने दे सकते। उन्होंने कहा, ष्हमारे पास एक ऐसी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली है जो आपदा के समय में काम नहीं करती है, फिर भी दुनिया के किसी भी देश की तुलना में इस पर अधिक पैसा खर्च किया जाता है और हमारे पास एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो हमारे बच्चों को कई मामलों में खुद पर शर्म आती है और हमारे देश से नफरत करना सिखाती है, भले ही हम उससे इतना प्यार करने की कोशिश करते हों। यह सब आज से बदल जाएगा और यह बहुत जल्दी बदल जाएगा।

जापानी टीवी चौनल ने कर्मचारी की करतूत छिपाई, यौन उत्पीड़न उजागर हुआ तो 50 कंपनियों ने हटाए विज्ञापन

टोक्यो, एजेंसी। जापान में एक टीवी चौनल को अपने कर्मचारी की करतूत छिपाना भारी पड़ गया। कंपनी के कर्मचारी के यौन उत्पीड़न करने का मामला सामने आया तो 50 कंपनियों ने चौनल से अपने विज्ञापन वापस ले लिए। कंपनियों ने चौनल पर पारदर्शिता और निष्पक्षता की कमी का आरोप लगाते हुए यह कदम उठाया। दरअसल मामला फूजी टीवी कंपनी के एक टीवी होस्ट से जुड़ा है। साप्ताहिक पत्रिका शुकन बुनशुन ने एक रिपोर्ट में कहा कि पुरुष बैंड एसएमएपी के पूर्व सदस्य और फूजी टीवी के होस्ट मासाहिरो नाकाई ने एक महिला का यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद उसने महिला को समझौता करने के लिए एकमुश्त रकम का भुगतान किया। रिपोर्ट में कहा गया था कि महिला ने 52 वर्षीय नाकाई पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। नाकाई ने 2023 में एक डिनर पार्टी में महिला का कथित यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद दिसंबर में नाकाई और महिला के बीच 90 मिलियन येन (580,000 डॉलर) का समझौता हुआ था। नाकाई ने एक बयान जारी करके समझौते की बात स्वीकार की थी। मगर उन्होंने किसी तरह की हिंसा करने की बात से इन्कार कर दिया था। मगर फूजी टीवी ने इसे लेकर कोई कार्रवाई नहीं की और मामले को छिपाया। हाल ही में जब एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में फूजी टीवी के अध्यक्ष कोइची मिनाटो ने घटना को लेकर बयान दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि कंपनी को शुकन बुनशुन रिपोर्ट से छह महीने पहले ही इस मामले की जानकारी हो गई थी। मगर कंपनी ने इसका खुलासा नहीं किया। उन्होंने सभी से माफी मांगते हुए कहा कि फूजी टीवी मामले की जांच करेगा। मगर हमारा मानना है कि कर्मचारियों ने कुछ भी गलत नहीं किया है। फूजी टीवी ने कई विज्ञापनदाताओं और एजेंसियों को परेशानी पहुंचाने के लिए माफी मांगी। इसके बाद विज्ञापनदाताओं ने टीवी से हाथ खींच लिए। उन्होंने विज्ञापनों की जगह सार्वजनिक सेवा की घोषणा की। विज्ञापनदाताओं ने कहा कि फूजी टीवी में पारदर्शिता की कमी है। साथ ही उसे इस मामले में कोई पछतावा भी नहीं है। बताया जा रहा है कि 50 से अधिक बड़ी कंपनियों ने फूजी टीवी से विज्ञापन हटाने की बात कही है।

'नहर पर हमारा कब्जा है और आगे भी रहेगा', ट्रंप के एलान पर भड़के पनामा के राष्ट्रपति

पनामा सिटी, एजेंसी। शपथ ग्रहण के बाद एक बार फिर से डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर पर कब्जे की बात दोहराई। हालांकि पनामा की तरफ से इसे लेकर कड़ी आपत्ति जताई गई है। पनामा के राष्ट्रपति ने अपने ताजा बयान में कहा है कि नहर पर पनामा का कब्जा है और आगे भी रहेगा। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने कहा कि किसी भी देश को पनामा के मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। पनामा के राष्ट्रपति मुलिनो ने बयान में कहा कि श्ट्रंप के पनामा और पनामा नहर को लेकर दिए गए बयान को ध्यान में रखते हुए हम कहना चाहते हैं कि नहर पर पनामा का नियंत्रण है और आगे भी रहेगा। इसकी तटस्थता का सम्मान किया जाना चाहिए और किसी भी देश को हमारे मामलों में दखल नहीं देना चाहिए।श मुलिनो ने कहा कि श्नहर कोई उपहार नहीं थी बल्कि यह कई पीढ़ियों के संघर्ष का नतीजा था, जो साल 1999 में संधि के रूप में फलित हुआ। उसके बाद से 25 साल से बिना किसी व्यवधान के हम नहर का प्रशासन कर रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।